हिमाचल प्रदेश विधान सभा

विधान सभा की बैठक शुक्रवार, दिनांक 30 अगस्त, 2024 को माननीय अध्यक्ष, श्री कुलदीप सिंह पठानिया की अध्यक्षता में कौंसिल चैम्बर, शिमला-171004 में 11.00 बजे पूर्वाह्न आरम्भ हुई।

प्रश्नकाल

तारांकित प्रश्न

30.08.2024/1100/टी0सी0वी0/एच0के0-1

व्यवस्था का प्रश्न

श्री जय राम ठाकुर : अध्यक्ष महोदय, एक छोटा-सा विषय है और इसके बारे में मुझे अभी बात करनी है।

अध्यक्ष : ठाकुर साहब, अभी तो प्रश्नकाल है, आप इसके बाद बोल लेना। क्या कोई विशेष महत्व का विषय है? ...(व्यवधान)... लेकिन ऐसी न तो कोई परम्परा है और न ही कोई नियम है। इस तरह से आप एक नई कंवेंशन शुरू कर रहे हैं। आप देख कहीं और रहे हैं और इस महत्वपूर्ण विषय के बारे में मुझे बता रहे हैं। क्या यह अधिकारी दीर्घा से संबंधित कोई विषय है? इस पर प्रश्नकाल के पश्चात् चर्चा कर लेंगे। ...(व्यवधान)... ठीक है यदि कोई रेलीवेंस नहीं हुई तो I will reject it.

श्री जय राम ठाकुर : अध्यक्ष महोदय, मैं कुछ बातों को लेकर हैरान हूं। पिछले कुछ समय से ...(व्यवधान)...

Speaker : I am allowing you in exceptional circumstances, reason being there is no such convention. But still if you have some urgency, which you want to ventilate, I am allowing you but only to that exception.

श्री जय राम ठाकुर : अध्यक्ष महोदय, मेरा निवास रामचन्द्रा चौक के पास है और एक ड्रोन मेरे घर के चारों तरफ घूमता रहता है। उसके माध्यम से खिड़कियों, दरवाजों और मेरे ऑफिस की सर्विलेंस की जा रही है। आज सुबह 9.30 बजे वह ड्रोन 4 बार मेरे घर के चारों तरफ फिर से घूमता हुआ देखा गया। जब इसके बारे में मालूम किया गया तो पता चला कि एस0पी0 के घर से मेरे निवास की निगरानी की जा रही है। अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से सरकार से जानना चाहता हूं कि किसी के घर की खिड़की, दरवाजे, किसी के घर में गाड़ियां कौन-कौन-सी खड़ी है और घर में कौन-कौन लोग आ रहे हैं या जा रहे हैं उनकी जानकारी एस0पी0 अपने घर से ड्रोन के माध्यम से लेते रहे हैं, क्या यह उचित है?

प्रदेश की कानून-व्यवस्था तो आप देख ही रहे हैं। अध्यक्ष महोदय, इससे पहले भी जब यहां राजनीतिक उथल-पुथल चल रही थी तो उस समय भी सिविल ड्रैस में मेरे निवास के

30.08.2024/1100/टी0सी0वी0/एच0के0-2

आसपास पुलिस के कर्मियों को खड़ा कर दिया गया था। जो भी गाड़ी आती थी उस गाड़ी की वीडियो बनाई जाती थी, फोटो लिया जाता था। हिमाचल प्रदेश में ऐसा पहले कभी नहीं हुआ है। आपने हमारी सर्विलेंस करनी है तो करिए। हमारे फोन तो टैप हो ही रहे हैं लेकिन इसके बाद यह जो तरीका निकाला गया है यह कतई भी उचित नहीं है। एक चुने हुए प्रतिनिधि के नाते मैं आपके माध्यम से सरकार को यह कहना चाहता हूं कि मेहरबानी करके इस प्रकार की सारी चीजों को बंद करें।

एन0एस0 द्वारा जारी ...

30-08-2024/1105/एन0एस0-एच0के0/1

श्री जय राम ठाकुर ------ जारी

इससे कोई लाभ होने वाला नहीं है। प्रदेश की जो कानून व्यवस्था खराब हुई है उस पर अपना ध्यान दें। ये अधिकारी अपनी सीमाएं पार कर रहे हैं। इनको अपनी सीमाओं में रहना होगा। अगर इस तरह की हरकतें करते रहेंगे तो मैं आपको बताऊं ये चीजें निश्चित रूप से कहीं-न-कहीं दर्ज़ रहेंगी। वक्त अच्छा-बुरा आता रहता है लेकिन ये हरकतें कभी नहीं करनी चाहिए। हम भी 5 सालों तक मुख्य मंत्री रहें लेकिन कभी भी किसी की निजता पर इस तरह की हरकतें नहीं की हैं जिस प्रकार की वर्तमान में हो रही हैं। यह मैं आपके ध्यान में लाना चाहता हूं। ये विशेष तौर से एक व्यक्ति और एक परिवार की निजता का हनन है। इसलिए मैं माननीय सदन में इस विषय को लाना चाहता था।

Speaker : We have taken a note of this and look into this.

प्रश्न संख्या : 1458

श्री भुवनेश्वर गौड़ : अध्यक्ष महोदय, मैं जानना चाहता हूं कि ये सूचना कब तक आ जाएगी? सूचना शीघ्र उपलब्ध करवाई जाए।

30-08-2024/1105/एन0एस0-एच0के0/2

प्रश्न संख्या : 1587

श्री प्रकाश राणा : अध्यक्ष महोदय, यह बहुत महत्वपूर्ण प्रश्न है। मैं मुख्य मंत्री जी के ध्यान में यह बात लाना चाहूंगा कि मेरे क्षेत्र में 84.5 किलोमीटर रोड 5-जी नेटवर्क के लिए खोदा गया और ऑप्टिकल फाइबर केबल बिछाया गया। ये रोड कंपनी द्वारा खोदा गया। वहां पर जो ड्रेन्ज बनी थीं, वे पूरी 84.5 किलोमीटर खोदी गईं। कंपनी ने खुदाई की लगभग 9,56,80,401 रुपये की राशि लोक निर्माण विभाग को दी ताकि ड्रेन्ज दोबारा से बन सकें। लेकिन दुःख की बात यह है कि जो ड्रेन्ज 84.5 किलोमीटर बननी थीं और जब केबल बिछाया तो उसको 5-6 फुट गहरा खोदा गया और 3-3.5 फीट चौड़ा था। इसको वर्ष 2022 में खोदा गया और ये नवम्बर में चालू हुआ। मार्च तक इसका काम चला हुआ था और वहां पर कंपनियों ने काफी मशीनें लगाई हुई थीं। लोक निर्माण विभाग के पास पैसा आया और मैं एक्सिअन को बार-बार पूछता रहा तो कहें कि मैंने टेंडर लगा दिया है और काम हो जाएगा। अध्यक्ष महोदय, दुःख की बात यह है कि 84.5 किलोमीटर तो छोड़ो वहां पर विभाग 1 किलोमीटर भी ड्रेन नहीं बना पाया। वहां पर यह हाल हो गया कि पूरा रोड बैठ गया। लोगों के घरों में पानी जा रहा है। मैं जानना चाहता हूं कि ये पैसा कहां गया? मैं मुख्य मंत्री का धन्यवाद करता हूं कि इन्होंने पिछले वर्ष सड़कों के लिए 6.92 करोड़ रुपये दिए थे। मैं जानना चाहता हूं कि कुल मिला करके 16.50 करोड़ रुपये कहां गए? स्थिति स्पष्ट की जाए।

मंत्री .....आर0के0एस0 द्वारा ------ जारी

30.08.2024/1110/RKS/YK-1

प्रश्न संख्याः 1587... जारी

ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज मंत्री (प्राधिकृत) : अध्यक्ष महोदय, मूल प्रश्न कुछ और है और माननीय सदस्य सप्लीमेंट्री कुछ और ही पूछ रहे हैं। मूल प्रश्न यह है कि 'कितने

टेंडर हुए, कितने अवार्ड किए गए, कितने पेंडिंग हैं और कितने रिजैक्ट किए गए?' इन्होंने प्रश्न पूछा है कि वहां पर टेलिकॉम कंपनी को केबल बिछाने की अनुमति दी गई और इसकी एवज़ में 9.50 करोड़ रुपये जमा करवाये गए। आपने कहा कि कंपनी वाले अपना काम करके चले गए परंतु वहां पर अभी तक नालियां नहीं बनी हैं। मैं सदन को बताना चाहूंगा कि कंपनी वाले पैसा जमा करवाते हैं लेकिन यह कार्य पी.डब्ल्यू.डी. द्वारा किया जाता है। जो 9.50 करोड़ रुपये जमा हुए हैं उसके बारे में मेरी माननीय मंत्री और माननीय विधायक से बात हुई है। माननीय मंत्री जी आज अस्वस्थ हैं इसलिए वे आज सदन में उपस्थित नहीं है। **इसकी जांच शुरू कर दी गई है। जो आप नालियां बनाने की बात कर रहे हैं, मैं आपको बताना चाहूंगा कि यह लगभग 84 किलोमीटर का स्ट्रैच है और इसके लिए शीघ्र ही टेंडर अवार्ड कर दिए जाएंगे।**

30.08.2024/1110/RKS/YK-2

प्रश्न संख्याः 1826

श्री जय राम ठाकुर : अध्यक्ष महोदय, मैंने अपने विधान सभा निर्वाचन क्षेत्र के थुनाग में एक औद्योनिकी महाविद्यालय खोला था। इस कॉलेज की 16.36 हैक्टटेयर भूमि है। इस भूमि की फोरेस्ट क्लीयरेंस सुप्रीम कोर्ट से लाई गई थी। यानी उस कॉलेज के लिए 205 बीघा भूमि उपलब्ध करवाई गई है। इस कॉलेज में 350 बच्चे शिक्षा ग्रहण कर रहे हैं। यहां से दो बैच औद्योनिकी के और एक बैच फोरस्ट्री का पास आउट होकर निकल गया है। इस कॉलेज के भवन के लिए मैंने 10 करोड़ रुपये का प्रावधान किया था। उसके बाद एक टेंडर लगा जिसके लिए डेढ़ वर्ष का समय लगा। टेंडर आबंटन में थोड़ा विलम्ब हुआ लेकिन इसके बाद होर्टिकल्चर मंत्रालय की ओर से कॉम्यूनिकेशन होता है कि यह टेंडर नहीं करना है। जो बच्चे वहां पढ़ रहे हैं वे अभी अलग-अलग भवनों में बैठकर शिक्षा ग्रहण कर रहे हैं। उस टेंडर को यह कह कर रोक दिया गया है कि इस कॉलेज को बंद किया जा रहा है या फिर इसे यहां से शिफ्ट किया जा रहा है। मैं माननीय मंत्री जी से जानना चाहूंगा कि आपने इस टेंडर को खोलने के लिए क्यों मना किया? मैंने इस विषय पर लोक निर्माण मंत्री जी से भी बात की है। उन्होंने कहा कि ऐसी जगह से डायरेक्शन आई है जिसके कारण यह टेंडर

रोक दिया गया है। हमने इस कॉलेज के लिए बजट का प्रावधान किया था लेकिन आप इस कॉलेज को स्थापित क्यों नहीं होने देना चाहते? मैंने इस विषय में मुख्य मंत्री जी से भी बात की है। मुख्य मंत्री जी ने कहा है कि अगर बजट का प्रावधान है तो हम उस कॉलेज को बंद नहीं होने देंगे। लेकिन यह आश्वासन, आश्वासन ही रहा गया और इसके निर्माण कार्य के लिए कोई अग्रिम कार्रवाई नहीं की गई। 10 करोड़ रुपये का बजट होने के बावजूद भी इस टेंडर को अभी तक नहीं खोला गया। मेरा प्रश्न यह है कि क्या मंत्री जी इस टेंडर को शीघ्र अवार्ड करना सुनिश्चित करेंगे?

श्री बी.एस.द्वारा...जारी

30.08.2024/1115/बी.एस./वाई.के-1

प्रश्न संख्याः 1826 क्रमांगत...

राजस्व मंत्री : अध्यक्ष महोदय, जो कॉलेज के लिए भूमि का चयन हुआ है, मुझे उसी के ऊपर कुछ कहना है। जब इसके लिए कंसल्टेंट अप्वाइंट किया गया उसने यह कहा है कि कॉलेज के लिए जो भूमि का चयन हुआ है वह ठीक नहीं हुआ है। हमने फिर से इस मामले को भेजा। उसके बाद उनका उत्तर आया कि इस कॉलेज के केवल ए और बी ब्लॉक्स ही बन सकते हैं। इनमें एक एकेडमिक ब्लॉक और एक एडमिनिस्ट्रेटिव ब्लॉक बन सकते हैं। बाकी बच्चों के लिए जो हॉस्टल या अन्य कंपोनेंट्स हैं वह इस भूमि पर बनना संभव नहीं है। इस कारण आदरणीय जय राम ठाकुर जी इसमें संसनी फैलाने की बजाए सीधा यह प्रश्न पूछ लेते कि कार्य शुरू क्यों नहीं किया गया? जो मैंने यहां पर बताया यही वास्तविक कारण है कि यहां पर काम शुरू नहीं हो पा रहा है। आपके पास पांच साल का पूरा समय था, आपने अपने चुनाव क्षेत्र में 16 हेलीपैड बना दिए उस समय आपको ख्याल नहीं आया कि इस कार्य को धरातल में उतार दें। आप उस समय हेलीकॉप्टर में उड़ते रहे। ...(व्यवधान)...

अध्यक्ष : मंत्री जी, कृपया होर्टिकल्चर पर उपनी बात कहिए।

राजस्व मंत्री : अध्यक्ष महोदय, मैं तो इसे धरातल पर उतारने की बात कह रहा हूं। यह प्राजैक्ट लगभग 300 करोड़ रुपये से बनना है और इसके लिए 10 करोड़ रुपया दिया गया है। यह तो लैंड डवलपमेंट में ही खत्म हो जाएगा। सरकार न इसे बंद करने जा रही और न इसे बदलने का विचार कर रही है। यह कहां पर संभव हो सकता है उस पर कार्य कर रहे हैं। अभी में देख रहा था कि सिराज में पांच सालों में इतने विश्राम गृह बन गए हैं कि एक-एक में 28-28 कमरे हैं। मैं सोच रहा हूं कि क्यों न उन रेस्ट हाउसों में कॉलेज के बच्चों को ले जाया जाए। सर, जंजैहली में एक और शिकारीदेवी में तीन इस तरह से मिला करके कुल 10-11 रेस्ट हाउस बनाए गए हैं।...(व्यवधान)... मैं इस कॉलेज को धरातल में लाने की बात कर रहा हूं। मेरे पास थुनाग में 32 करोड़ रुपये, जंजैहली में 11 करोड़ रुपये और बाली चौकी में 16 करोड़ रुपये की कंबाइंड बिल्डिंग है। उन बिल्डिंग्ज में कोई नहीं है, सब खाली पड़ी है। मैं मुख्य मंत्री जी से चर्चा करके विचार करूंगा और इस कॉलेज को बेहतरीन तरीके से चलाऊंगा।

30.08.2024/1115/बी.एस./वाई.के-2

श्री जय राम ठाकुर : अध्यक्ष महोदय, सरकार को हो क्या गया है? यह हाल मंत्रियों का है। मैंने प्रश्न क्या पूछा है और उत्तर क्या दे रहे हैं। मैं उम्मीद कर रहा था कि मेरे पड़ोसी हैं और जिम्मेवार हैं लेकिन उस आधार पर इन्होंने यहां पर उत्तर नहीं दिया है। आज इनकी तरफ वह ट्रोन नहीं जाता है। इस विषय पर मुख्य मंत्री जी से मेरी बात हुई और इन्होंने कहा कि अगर इसमें बजट प्रावधान है, जैसा मंत्री जी ने भी यहां पर कहा कि 10 करोड़ रुपये का बजट प्रावधान है। इसलिए कहा गया था की हम इसका कार्य तुरंत शुरू करवा देंगे। दूसरी कंसल्टेंट की बात कही जा रही है। उनकी कहीं भी इस तरह की रिपोर्ट नहीं थी उन्होंने अपनी ओर से जाहिर किया कि मैं मैदानी इलाके का हूं और यहां पर पहाड़ का टैरन है इसे जानने में मुझे थोड़ा समय लगेगा और समय लगा भी। उसके बाद उन्होंने यह रिपोर्ट बना करके दी है। यह सारी चीजें क्यों हो रही है केवल इसलिए कि आप इसे feasible मत करिए। दबाव यह डाला जा रहा था कि किसी-न-किसी तरह से इसे रिजेक्ट करो।

श्री दिवेश ठाकुर जारी.....

30.08.2024/1120/डी0टी0/ए0जी0-1

प्रश्न संख्या 1826 जारी...

श्री जय राम ठाकुर

इसमें 205 बीघा जमीन दी है और उस जमीन का टॉप बिल्कुल समतल है। लेकिन उसके बावजूद भी इस कॉलेज का काम जानबूझ के रोका जा रहा है। मैं चाहूंगा कि मुख्य मंत्री जी वहां पर विजिट कर के आयें। वहां पर जितने भी अध्यापक थे सब को स्थानांतरित कर दिया गया जब अध्यापक वहां से स्थानांतरित हुए तो विद्यार्थी भी वहां से माइग्रेशन मांगने लगे और वह इसलिए कि उन्हे पढ़ाने वाले अध्यापक वहां पर रहे नहीं। अध्यक्ष महोदय मैं ये कहूंगा कि ये सरकार की आदत बन गई है कि खुले हुए संस्थान बंद कर दो। यही हालत आपने मंडी की मैडिकल यूनिवर्सिटी की है। उसका भवन क्यों नहीं बन रहा? बल्ह विधान सभा क्षेत्र में भूमि दे रखी है और मैडिकल कॉलेज नेर-चोक में जमीन दे रखी है। आपने सरदार पटेल विश्वविद्यालय का गला घोंट कर रखा हुआ है। सेंट्रल यूनिवर्सिटी का 30 करोड़ रुपया आपने देना है, वह भी नहीं और इस तरह आपने धर्मशाला वालों का गला घोंट कर रखा हुआ है। कृषि विश्वविद्यालय, पालमपुर की जमीन को दूसरे काम के लिए इस्तेमाल करना ये कहां तक ठीक है?

अध्यक्ष महोदय मैं यही कहना चाहूंगा कि क्या मुख्य मंत्री जी इस बात को सुनिश्चित करेंगे कि वे बागवानी विभाग को भी निर्देश दें क्योंकि लोक निर्माण विभाग वाले कह रहे थे कि हम इसे करना चाह रहे हैं लेकिन बागवानी विभाग और लोक निर्माण विभाग के बीच में समन्वय बिठाकर क्या आप ये सुनिश्चित करेंगे कि इस का टेंडर तुरन्त अवार्ड करके इसका काम शुरू करें।

Speaker: Revenue Minsiter please reply and if the Hon'ble Chief Minsiter wants to supplement, he can supplement.

राजस्व मंत्री: अध्यक्ष महोदय, पहले तो मैं ये बताना चाहता हूं कि सरकार को कुछ भी नहीं हुआ है न लवेरिया हुआ न मलेरिया हुआ है। मुझे लगता है जो कुछ हो रहा है वह हमारे विपक्ष के साथियों को ही हो रहा है। नेता प्रतिपक्ष हार्टिकल्चर कॉलेज की बात कह रहे थे लेकिन वहां से वह मैडिकल कॉलेज में पहुंच गए और फिर वहां से सेन्ट्रल यूनिवर्सिटी

कांगड़ा पहुंच गए। ये आज कल ट्रेक से उतरते रहते हैं । हमारी मंसा साफ है कि छात्रों के लिए एक ही स्थान पर सब तरह की सुविधाओं होनी चाहिए। दो कॉलेज

30.08.2024/1120/डी0टी0/ए0जी0-2

फीज़बल नहीं है और इसकी रिपोर्ट मेरे पास है। माननीय नेता प्रतिपक्ष को रिपोर्ट दे दूंगा।

दूसरी बात जो इन्होंने हरियाणा से कंसल्टेंट के बारे में कही इन्होंने ही अपने समय में हरियाणा के कंसल्टेंट लगाए हमारे प्रदेश से कंसल्टेंट क्यों नहीं
लगाए? इसलिए मैं कहूंगा कि कमी तो इसमें आपकी थी। हैलीपेड बनाए वह किस लिए बनाया ताकि आपको आने-जाने में दिक्कत न हो। मैं कहता हूं कि हम इस कॉलेज को बेहतरीन ढंग से चलाएंगे। 300 करोड़ रुपये कम नहीं होते आप केंद्र से 300 करोड़ रुपये उपलब्ध करवा दीजिए हम इसे कल ही बना देंगे।

अध्यक्षः माननीय मुख्य मंत्री महोदय आप कुछ कहना चाहते हैं?

मुख्य मंत्रीः माननीय अध्यक्ष महोदय,मंत्री जी ने बड़ा विस्तृत जबाव दिया और बड़ी विस्तृत बात उन्होंने कही लेकिन मैं दो बातें कहने के लिए खड़ा हुआ हूं, क्योंकि माननीय नेता प्रतिपक्ष मैडिकल कॉलेज के बाद सीधे सेन्ट्रल यूनिवर्सिटी में पहुंच गये। सनसनी फैलाना आजकल नेता प्रतिपक्ष को बहुत अच्छा लगता है। अटल यूनिवर्सिटी के बारे में ,आपने भी आज अख़बार पड़ा होगा, अटल यूनिवर्सिटी और नेर चोक मैडिकल कॉलेज उस जगह बना दिया

श्री एन0जी0द्वारा जारी...

30-08-2024/1125/ए.जी.-एन.जी/1

प्रश्न संख्या - 1826.....जारी

मुख्य मंत्री.....जारी

जो जगह इनको इंतकाल में अपने नाम पर करवानी चाहिए थी। आज हम उसमें माननीय हाई कोर्ट व माननीय सुप्रीम कोर्ट से केस हार चुके हैं। वह जगह एक मुस्लिम व्यक्ति के नाम पर है और उस जगह के लिए सरकार को लगभग 1000 करोड़ रुपये देना है। पिछली सरकार के पांच साल में ये हाल हुए हैं। ...(व्यवधान) ये आपके काम हैं। इसके अलावा अभी माननीय राजस्व मंत्री जी ने बताया कि खाली रेस्ट हाऊस, कम्बाइंड ऑफिस की बिल्डिंग, हैलिपैड बने हुए हैं और वहां पर कॉलेज चलाने का विचार रखते हैं तथा उसके लिए 300 करोड़ रुपये चाहिएं। हम चाहते हैं कि 300 करोड़ रुपये प्राप्त करने के लिए विपक्ष के नेता हमारा साथ दें। हमारे ऊपर अन्य कट्स भी लगे हैं, हमें पी.डी.एन.ए. के 9200 करोड़ रुपये नहीं मिल रहे हैं, एन.पी.एस. का पैसा भी नहीं मिल रहा है और यदि विपक्ष के नेता हमारा साथ देंगे तो इनके कॉलेज का काम तेजी से करवाएंगे। ...(व्यवधान) माननीय प्रतिपक्ष के नेता जी ये सब आपने किया है। हमें तो अभी 20 माह ही हुए हैं और ये सब मैंने नहीं किया है। आप 1000 करोड़ रुपये की लायबिलिटिज़ माननीय हाई कोर्ट व माननीय सुप्रीम कोर्ट से हार चुके हैं। इसके बारे में विचार करने के लिए मैंने आज ही एक बैठक बुलाई है। ...(व्यवधान) आप (श्री विनोद कुमार जी की ओर ईशारा करते हुए) बीच में मत बोला कीजिए। यह आपकी गलत आदत है, थोड़ा सुन लिया कीजिए। आपको फैक्ट बता रहा हूं तो आप सुनते नहीं हैं।...(व्यवधान)

अध्यक्ष : माननीय सदस्य, आप बैठ जाइए। Don't do any gestures (Shri Vinod Kumarji)?

मुख्य मंत्री : अध्यक्ष महोदय, इसके अलावा माननीय राजस्व मंत्री जी ने कहा है कि हम इस कॉलेज को बंद नहीं करना चाहते हैं, हम इसे विधिवत रूप से चलाना चाहते हैं और माननीय राजस्व मंत्री जी देखेंगे कि कॉलेज को कहां चलाना है क्योंकि यह इनका दायित्व है। धन्यवाद। ...(व्यवधान)

30-08-2024/1125/ए.जी.-एन.जी/2

Speaker: Next Question No. 1827. ...(Interruption)

(विपक्ष के कुछ माननीय सदस्य अपने-अपने स्थान पर खड़े होकर शोरगुल करने लगे।)

Speaker: I am not allowing. I have to look after the interest of others also. Next Question 1827. Hon'ble Member Shri Anil Sharmaji. ...(Interruption) I am not allowing you (Shri Jai Ram Thakurji). If you have any grievance, you can raise this issue under Rule 61. Please. ...(व्यवधान) मैं सारा दिन इसी इश्यू पर चर्चा नहीं करवा सकता। ...(व्यवधान) Please take your seats.

(माननीय सदस्य, श्री अनिल शर्मा जी को छोड़कर विपक्ष के सभी माननीय सदस्यों ने माननीय सदन से बहिर्गमन किया।)

30-08-2024/1125/ए.जी.-एन.जी/3

प्रश्न संख्या - 1827

श्री अनिल शर्मा : अध्यक्ष महोदय, माननीय लोक निर्माण मंत्री जी ने प्रश्न का उत्तर दिया और उसके बाद बीमार पड़ गए। मैं सरकार के ध्यान में लाना चाहता हूं कि स्मार्ट सिटी मिशन वर्ष 2015 से चल रहा है। मैं माननीय मुख्य मंत्री जी से अनुरोध करना चाहता हूं कि आपके प्रतिनिधि जिन्होंने मण्डी संसदीय क्षेत्र से 2024 का चुनाव लड़ा और उन्होंने मण्डी में अपने एक विज़न डाक्यूमेंट की बात कही थी। उसमें उन्होंने कहा था कि हम मण्डी को स्मार्ट सिटी बनाने जा रहे हैं। मैं माननीय मुख्य मंत्री जी से पूछना चाहता हूं कि दिनांक 22-07-2024 को निदेशक, शहरी विकास विभाग के माध्यम से एक पत्र प्रेषित होता है कि माननीय लोक निर्माण मंत्री जी को नगर निगम मण्डी के भवन में एक कैम्प ऑफिस के लिए स्थान चाहिए, क्या प्रदेश के सभी जिलों में माननीय लोक निर्माण मंत्री जी के कैम्प ऑफिस खोले जाएंगे? माननीय लोक निर्माण मंत्री जी ने मण्डी शहर के संदर्भ में गैरजिम्मेदार जवाब दिया है। मैं पूछना चाहता हूं कि मण्डी संसदीय क्षेत्र का चुनाव क्या आपने जुमलों के दम पर लड़ा था? मैं कहना चाहता हूं कि मण्डी शहर के लोगों ने उनकी जुमलेबाजी को देख लिया है।

अध्यक्ष : माननीय सदस्य, कृपया प्रश्न पूछिए।

श्री अनिल शर्मा : अध्यक्ष महोदय, मैं पूछना चाहता हूं कि माननीय लोक निर्माण मंत्री जी ने स्मार्ट सिटी की बात क्यों की थी? यदि आपने मण्डी शहर को स्मार्ट सिटी बनाने की बात की थी तो आपका विभाग इसके लिए क्या करने जा रहा है?

30-08-2024/1125/ए.जी.-एन.जी/4

ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज मंत्री (प्राधिकृत) : अध्यक्ष महोदय, सबसे पहली बात तो यह है कि यह प्रश्न स्मार्ट सिटी के बारे में है कि मण्डी शहर को इसमें कब शामिल किया जाएगा। माननीय सदस्य तो चुनाव में चले गए कि वहां पर घोषणा की गई थी। मैं समझता हूं कि विपक्ष गम्भीर ही नहीं है क्योंकि उनके माननीय सदस्य का प्रश्न लगा हुआ है और विपक्ष के अन्य माननीय सदस्य नारे लगा रहे हैं। अध्यक्ष महोदय, स्मार्ट सिटी मिशन दिनांक 25-06-2015 को पांच साल के लिए आया था। उसमें धर्मशाला और शिमला शहर को शामिल किया गया था।

श्रीमती के.एस. द्वारा जारी.....

30.08.2024/1130/केएस/एएस/1

प्रश्न संख्या : 1827 जारी..

ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज मंत्री (प्राधिकृत) जारी---

अभी मिनिस्ट्री ऑफ हाउसिंग और अर्बन अफेयर्ज़ की कोई प्रपोज़ल नहीं है। अभी तक कुछ नहीं आया है कि स्कोप ऑफ स्कीम कब एक्सटेंड करेगा ऑन न्यू प्रोजैक्ट सबमिट करने के लिए। जब आएगा तो उस समय सर्वे के हिसाब से देखेंगे कि कौन-कौन से शहर आते हैं। रही बात मण्डी में इलैक्शन के समय केंप ऑफिस खोलने की, ये जो माननीय लोक निर्माण मंत्री जी के बारे में बोल रहे हैं कि वे बीमार पड़ गए, मैं समझता हूं कि उन्होंने, उनके परिवार ने, कांग्रेस पार्टी ने मंडी की बहुत ज्यादा सेवा की है। मैं समझता हूं कि माननीय सदस्य को इस तरह का बीच में प्रश्न नहीं करना चाहिए। यह सप्लीमेंट्री क्वैश्चन से कहीं

पर भी मेल नहीं खाता। रही केंप ऑफिस की बात, मैम्बर ऑफ पार्लियामेंट का जो इलैक्शन लड़ता है, कंगना जी ने लड़ा, उन्होंने अपना ऑफिस मनाली में बनाया है जहां वह सभी से आधार कार्ड ले कर मिलती हैं। किसान विरोधी जिसको बोलते हैं। मैं समझता हूं कि सभा में ऐसी बातें नहीं आनी चाहिए। ये बहुत ही वरिष्ठ सदस्य हैं और खुद मंत्री भी रह चुके हैं। कुछ बातें हाउस के बाहर होनी चाहिए।

श्री अनिल शर्मा : अध्यक्ष महोदय, जो मेरा प्रश्न है, मैं भी जानता हूं, मैं भी सरकार में रहा हूं। वर्ष 2015 में स्मार्ट सिटी का प्रोजैक्ट आया था और सुधीर शर्मा जी उसको धर्मशाला ले गए। मैं इस बात को मानता हूं। मेरा कहने का मतलब यह है कि आपके मंत्री चुनाव लड़ रहे थे, क्या उनको मालूम नहीं था कि जो 100 स्मार्ट सिटीज़ पूरे देश के अंदर बननी थीं, आगे कोई प्रपोज़ल नहीं जा रही है। ठीक है, प्रदेश के लिए उनके परिवार ने बहुत काम किया है, लेकिन उसके बाद जो उन्होंने कहा, मैं कोई राजनीतिक बात नहीं करना चाहता क्योंकि आप भी मंत्री हैं और मंत्री कहीं जाता है तो उसे अपने विभाग के बारे में पूरा ज्ञान होना चाहिए। जब आपको पता था कि यह प्रपोज़ल नहीं है तो चुनाव के दौरान क्यों कहा गया, यह मैं पूछना चाहता हूं? उसके बाद भी प्रैस कॉंफ्रेंस हुई, आपके वरिष्ठ नेता उनके साथ बैठे थे। उन वरिष्ठ नेता ने कहा कि आप स्मार्ट सिटी के बारे में बोलना भूल गए, वह भी कहिए। वह तो मैं तब पूछ रहा था कि क्या पता कोई ऐसी प्रपोज़ल होगी। दूसरा, जो केंप ऑफिस की बात है, यह चुनाव लड़ने के बाद की बात है। जो मैंने आपको डेट दी है, यह 22 जुलाई, 2024 की बात है। तो क्या सर्किट हाउस में बैठने के लिए मंत्री केंप ऑफिस बनाएंगे? क्या आप यह प्रथा शुरू करने जा रहे हैं?

30.08.2024/1130/केएस/एएस/2

मुख्यमंत्री : आदरणीय अध्यक्ष जी, मैं एक बात शर्मा जी को बताना चाहता हूं कि स्मार्ट सिटी के प्रोजैक्ट्स केंद्र सरकार की योजनाओं के द्वारा लाए जाते हैं। अभी स्मार्ट सिटी के हमारे धर्मशाला और शिमला के दो प्रोजैक्ट्स हैं। दूसरा, जो आप रैस्ट हाउस में केंप हाउस बनाने की बात कर रहे हैं, हिमाचल प्रदेश सरकार के किसी भी रेस्ट हाउस में किसी भी प्रकार का केंप हाउस बनाने का सवाल ही नहीं है। रेस्ट हाउस जिस परपज़ के लिए बने हैं, उसी कार्य के लिए रहेंगे। ...(व्यवधान) **म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन के ऑफिस में**

भी राजनीतिक लोगों का कोई ऑफिस नहीं होता । इस प्रकार का अगर कोई है तो उसको बंद कर दिया जाएगा।

(माननीय सदस्य श्री अनिल शर्मा भी सदन से बाहर चले गए)

30.08.2024/1130/केएस/एएस/3

प्वाइंट ऑफ आर्डर

संसदीय कार्य मंत्री (उद्योग मंत्री): अध्यक्ष महोदय, मैं आपके ध्यान में एक बात लाना चाहूंगा कि आज भारतीय जनता पार्टी ने वॉकआउट किया। कल भी इन्होंने वॉकआउट किया था। अख़बारों ने गलत लिखा है कि पूरी भारतीय जनता पार्टी ने वॉकआउट किया। वह भारतीय जनता पार्टी के कुछ विधायकों ने किया था। कल जब आबकारी नीति पर मुख्य मंत्री जी ने जवाब दिया और जब आंकड़े पेश किए गए, जब इनके पास बोलने को कुछ नहीं था तो अख़बार की सुर्खियों में आने के लिए ये सदन से बाहर चले गए। उस वक्त भी सदन में भारतीय जनता पार्टी के दो विधायक चौधरी सुख राम जी और डॉ0 जनक राज जी सदन में उपस्थित थे। It was not a complete walk-out by the Bhartiya Janata Party, it was a partial walk-out. आज भी भारतीय जनता पार्टी के विधायकों ने वॉकआउट किया है। वह इशू नहीं है they are making an issue out of non-issue.

श्रीमती अ0व0 जारी...

30.08.2024/1135/av/ए0एस0/1

उद्योग मंत्री--------जारी

अभी माननीय सदस्य श्री अनिल शर्मा जी भी यहां बैठे हुए थे जो अब बाहर चले गए हैं। मेरा आपसे यह अनुरोध है कि सदन के अंदर वास्तव में घटित घटनाक्रम के अनुसार ही रिपोर्टिंग होनी चाहिए। It was partial. कल भी ऐसी ही स्थिति थी। इसलिए मैं यह कहना

चाहता हूं कि माननीय सदन के अंदर वास्तव में घटित घटनाक्रम के अनुसार रिपोर्टिंग होनी चाहिए।

Speaker: I am taking a note of it. Yesterday as well as today also, it was not a walk out, it was a protest. The newspaper should take a note of it while reporting these walk outs, these are not the walk outs, these are the protest. The protest was reasonable or unreasonable that is not decided. They are protesting for what? So, while reporting everything you must take a note of all these things and the Vidhan Sabha Reporters also take note of it. It was a temporary protest, just for no cause. It was a protest for no reasons.

(माननीय सदस्य श्री सुख राम चौधरी, श्री बलबीर सिंह वर्मा और डॉ0 जनक राज सदन के अंदर उपस्थित हुए।)

30.08.2024/1135/av/ए0एस0/2

प्रश्न संख्या : 1828

श्री विवेक शर्मा : अध्यक्ष महोदय, सबसे पहले मैं अपने विधान सभा क्षेत्र कुटलैहड़ के लोगों का धन्यवाद करना चाहूंगा जिन्होंने मुझे निर्वाचित करके सदन के अंदर भेजा है।

अध्यक्ष : माननीय सदस्य, आपको आगे बोलने का मौका देंगे। अभी आप केवल प्रश्न कीजिए। यह आपका फर्स्ट मैडेन क्वैश्चन है।

(विपक्ष के लगभग सभी माननीय सदस्य सदन के अंदर पुनः वापिस आए।)

श्री विवेक शर्मा : अध्यक्ष महोदय, मेरा यह प्रश्न था कि क्या सरकार कुटलैहड़ विधान सभा क्षेत्र के अंतर्गत नई औद्योगिक इकाइयां लगाने बारे विचार कर रही है। मेरा यह मानना है कि हमारे क्षेत्र में जो उद्योग लगे हैं उनमें से अभी तक केवल 4-5 उद्योगों में ही स्थानीय लोगों को रोज़गार मिला है। मेरे विधान सभा क्षेत्र के बेरोज़गार युवा साथी चाहते हैं कि वहां पर और ज्यादा उद्योग लगें। मैंने चुनाव के बाद हाल ही में विभाग को लगभग 300 कनाल जगह दिखाई है। इसके अतिरिक्त सरकार ने ऊना में जो ड्रग पार्क स्थापित करने का

निर्णय लिया है तो मैं यह चाहता हूं कि उसमें कुटलैहड़ विधान सभा क्षेत्र को भी भागीदारी मिले ताकि वहां पर औद्योगिक क्षेत्र को और ज्यादा विकसित किया जा सके। मैं यह भी कहना चाहता हूं कि रेलवे लाइन भी हमारे वहां से जाती है। इसलिए वहां पर और भी बड़ी-बड़ी औद्योगिक इकाइयां लगाई जाएं ताकि हमारे विधान सभा क्षेत्र के लोगों को फायदा हो।

उद्योग मंत्री : अध्यक्ष महोदय, यहां पर जिस प्रकार से माननीय सदस्य श्री विवेक शर्मा ने कहा है तो मैं यह बताना चाहता हूं कि इनके विधान सभा क्षेत्र के अंतर्गत बशाल नामक जगह पर कुल 44 प्लॉट्स चिन्हित किए गए हैं। उसमें 67 करोड़ रुपये की इंवैस्टमेंट हुई है जिसके अंतर्गत 227 लोगों को रोज़गार दिया गया है। माननीय सदस्य ने जिस प्रकार से जिक्र किया है **तो हम चाहेंगे कि इनके विधान सभा क्षेत्र में और ज्यादा औद्योगिक इकाइयां आएं। वहां जोगी-पंगा नामक स्थान के लिए जिला से नये इंडस्ट्रीयल एरिया हेतु प्रपोज़ल आई है जिसके तहत लगभग 300 कनाल लैंड वितरित की जाएगी जोकि सरकार के विचाराधीन है। हम उसको एक्वायर करके वहां पर इंडस्ट्रीयल प्लॉट्स बनाएंगे।** मैं यह

30.08.2024/1135/av/ए0एस0/3

भी कहना चाहूंगा कि इंडस्ट्रीज लाना हमारे हाथ में नहीं है। **कोई भी उद्यमी इंडस्ट्री लगाने के लिए साइट को अपने-आप चूज़ करता है। कुटलैहड़ विधान सभा क्षेत्र के अंतर्गत बहुत सारा एरिया बैकवर्ड भी है तो हम चाहेंगे कि वहां पर इंडस्ट्रीज आएं ताकि वहां के लोगों को रोज़गार के साधन मिल सकें।**

अगला प्रश्न टी सी द्वारा जारी

30.08.2024/1140/टी0सी0वी0/एच0के0-1

प्रश्न संख्याः1829

श्री बलबीर सिंह वर्मा : अध्यक्ष महोदय, मेरे चुनाव क्षेत्र चौपाल में अल्ट्रासाउंड की मशीन पिछली सरकार के समय में पहुंच गई थी लेकिन लगभग दो साल का समय बीत जाने के पश्चात भी वर्तमान सरकार द्वारा वहां पर रेडियोलाजिस्ट अप्वाइंट नहीं किया गया। मेरे

विधान सभा चुनाव क्षेत्र में कुपवी एक बैकवर्ड क्षेत्र है और किसी भी महिला को अल्ट्रासाउंड करवाने के लिए 300 किलोमीटर दूर शिमला आना पड़ता है। यह बहुत ही इंटिरियर क्षेत्र है और वहां अल्ट्रासाउंड मशीन लगवाने के संदर्भ में कई बार आश्वासन मिले हैं लेकिन वह आज तक नहीं लगी है। मेरी माननीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री जी से विनती है कि आप वहां पर कब तक इस मशीन को इंस्टाल कर देंगे?

स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री : अध्यक्ष महोदय, माननीय सदस्य ने जो प्रश्न पूछा है, मैं उसके बारे में जानकारी देना चाहूंगा कि नेरवा अस्पताल में एक अल्ट्रासाउंड की मशीन उपलब्ध है लेकिन यह ठीक है कि वह काफी समय इस्तेमाल नहीं की जा रही है।

अध्यक्ष महोदय, मैं माननीय सदस्य को अवगत करवाना चाहता हूं कि हमने 32 रेडियोलॉजिस्ट (डॉक्टर) छह महीने के प्रशिक्षण के पश्चात् ट्रेंड किए हैं और आपके अस्पताल नेरवा को शीघ्र ही रेडियोलॉजिस्ट उपलब्ध करवा दिया जाएगा।

अध्यक्ष महोदय, मुझे माननीय सदन को सूचित करते हुए हर्ष हो रहा है कि इसी प्रकार से और भी रेडियोलॉजिस्ट ट्रेंड किए जाएंगे और जहां-जहां पर रेडियोलॉजिस्ट की कमी है, वहां पर उनको लगा दिया जाएगा।

प्रश्न समाप्त

30.08.2024/1140/टी0सी0वी0/एच0के0-2

प्रश्न संख्या : 1830

डॉ0 **हंस राज :** अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय मंत्री जी से जानना चाहता हूं और इनसे यह कहना भी चाहता हूं कि हिमाचल प्रदेश कृषि व बागवानी के लिहाज से एक महत्वपूर्ण प्रदेश है। जिस जिला से मैं ताल्लुक रखता हूं, आप भी वहीं से संबंध रखते हैं। मक्की, बीन, मटर इत्यादि की फसलें कैश कॉप्स के रूप में लोगों के जीवन-यापन हेतु महत्वपूर्ण फसलें हैं और भटियात, सलूणी, चौराह यानी इन ऊपरी इलाकों में मक्की काफी

मात्रा में होती है। चौराह तो इतना रिमोट एरिया है कि वहां की मुख्य फसल मक्की है। इसके अलावा मटर भी चौराह विधान सभा क्षेत्र में बहुत ज्यादा मात्रा में हो रहा है और आलू को भी हमने इंट्रोड्यूस करवाया है लेकिन प्रश्न के उत्तर में दर्शाया गया है कि वर्ष 2023-24 में मटर का बीज सिर्फ 175 क्विंटल दिया गया और मक्की का बीज शून्य दर्शाया गया है। इसके साथ ही बीन का बीज तो बिल्कुल भी नहीं मिला जबकि हिंगरी की 9 पंचायतें बीन का उत्पादन करती है। बैराजोन में भी बीन और मटर की खेती की जाती है। इसके अलावा चरडा-चांजू और लोअर बैल्ट में टमाटर की खेती होती है। मेरा आपसे निवेदन है कि आपने पहले भी बीन, मटर, मक्की, आलू, बरसीन,जई, ज्वार और गेहूं इत्यादि का बीज उपलब्ध नहीं करवाया और जब में वर्ष 2024 की डिटेल देख रहा था तो पूरे क्षेत्र में सिर्फ 600 क्विंटल मटर तथा 50 क्विंटल मक्की दी गई है। इस बार लोगों ने मक्की के बीज की 10 किलोग्राम की थैली को 1300-1400 रुपये में बाजार से क्रय किया है। क्या मंत्री जी आश्वासन देंगे कि इस तरह की स्थिति आने वाले समय में नहीं होगी?

मंत्री एन0एस0 द्वारा शुरू ...

30-08-2024/1145/एन0एस0-डी0सी0/1

प्रश्न संख्या : 1830 -----क्रमागत

कृषि मंत्री : अध्यक्ष महोदय, माननीय सदस्य की चिंता जायज है। परन्तु विभाग में एस0एम0एस0 (Subject Matter Specialist) ब्लॉक लैवल के होते हैं। किसान अपनी जितनी रिक्वायरमेंट भेजते हैं उस पूरी रिक्वायरमेंट को जिला स्तर पर कंसोलिडेट किया जाता है। उस रिक्वायरमेंट को देखकर डॉयरेक्टर ऑफिस में टेंडर फ्लोट करते हैं और जितनी जरूरत जिस-जिस जिला या विधान सभा क्षेत्र में होगी उसको भेजा जाता है। अगर माननीय सदस्य के किसानों की रिक्वायरमेंट ज्यादा होगी तो हम उनको ज्यादा बीज उपलब्ध करवाएंगे। अगर रिक्वायरमेंट कम आती है तो उसको आधार मान करके आगे टेंडर फ्लोट करके कंपनियों को कहते हैं कि इनको इंप्रूव सीड्ज दिए जाएं। इनकी चिंता ठीक है कि **कुछ एरियाज में बीज टाइम पर नहीं पहुंचते हैं और उसको हम सुनिश्चित**

करेंगे कि समय के ऊपर रबी और खरीफ की जब बिजाई होती है तो उचित समय पर बीज पहुंचने चाहिए। हमारे पास जितनी डिमांड आती है उसी के अनुसार आगे टेंडर फ्लोट करते हैं।

डॉ0 हंस राज : अध्यक्ष महोदय, मेरी आपके माध्यम से मुख्य मंत्री व कृषि मंत्री जी से गुजारिश है और इन्होंने स्वयं माना है कि कृषि विभाग में कई पद खाली पड़े हुए हैं। सारे-का-सारा जिला चम्बा ही खाली हो गया है। अध्यक्ष महोदय, यह बात मैं आपके संज्ञान में भी लाता हूं और आप इस तरफ थोड़ा ध्यान दें। मेरा मंत्री जी से आग्रह है कि आप कृपया करके एस0एम0एस0 जो कृषि विभाग में बहुत महत्वपूर्ण पद है, उसे भरा जाए। 46 पंचायतें चुराह विधान सभा क्षेत्र की तीसा में फीड होती हैं। हमारे वहां पर पहले कभी एस0एम0एस0 होता था लेकिन उसको वहां से विद पोस्ट उठा करके भेडू महादेव भेज दिया गया। पिछली बार भी मैंने पूछा था और कहा गया था कि हम भेज देंगे लेकिन आज तक नहीं मिला। मेरा मुख्य मंत्री जी व कृषि मंत्री जी से निवेदन है कि चुराह में कृषि क्षेत्र में बहुत बड़ा पोटैंशियल है। हॉर्टिकल्चर, मटर, आलू और मक्की के क्षेत्र में हम लोग बहुत आगे जा सकते हैं। क्या मंत्री जी आश्वासन देंगे कि वे एस0एम0एस0 की पोस्ट क्रिएट करके वहां पर लगाएंगे?

30-08-2024/1145/एन0एस0-डी0सी0/2

कृषि मंत्री : अध्यक्ष महोदय, चम्बा और चुराह मेरे लिए नया क्षेत्र नहीं है क्योंकि मैं वहां से सांसद भी रहा हूं। आज चुराह, सलूणी का एरिया पहले वाला नहीं रहा है जो वर्ष 1982-83 में था। आज किसान बड़े प्रोग्रेसिव हैं और वहां पर ऑफ सीजन वेजिटेबल बहुत होती हैं। **मैं माननीय सदस्य को आश्वासन देता हूं कि आपके एरिया की जितनी भी रिक्वायरमेंट सीड्ज की होगी, चाहे ऑफ सीजन वेजिटेबल्ज की होगी, चाहे रबी या खरीफ फसलों की होगी, उसको हम पूरा करेंगे ओर जहां-जहां पद रिक्त पड़े हैं उनको तत्परता से भरने का प्रयास करेंगे। माननीय सदस्य पोस्ट शिफ्टिंग की बात कर रहे हैं तो यह मेरे ध्यान में नहीं है अगर ऐसा हुआ है तो इस पद को जरूर भरा जाएगा।**

30-08-2024/1145/एन0एस0-डी0सी0/3

प्रश्न संख्या : 1831

श्री जीत राम कटवाल : अध्यक्ष महोदय, यह पिछले वर्ष का प्रश्न था और मैं मंत्री जी से जानना चाहूंगा कि झण्डुता विधान सभा क्षेत्र में 2 सी0एच0सीज0, 1 सिविल हॉस्पिटल और 7 पी0एच0सीज0 हैं। वहां 1.20 लाख के आसपास जनसंख्या है। जवाब में बताया गया है कि सी0टी0स्कैन उपल्बध करवाने का कोई मामला अभी तक सरकार के विचारधीन नहीं है। यह देखने वाली बात है कि अगर आपके विचाराधीन नहीं है और अगर

आर0के0एस0 द्वारा ------ जारी

30.08.2024/1150/RKS/एचK-1

प्रश्न संख्याः 1831... जारी

श्री जीत राम कटवाल ... जारी

एक निर्वाचन क्षेत्र से यह मांग आ रही है और इसका जवाब यह आ रहा है कि यह कार्य विचाराधीन नहीं है। मेरा आग्रह है कि आप कृपया इस पर विचार करें। मैंने पहले भी कहा था कि आप एक या दो जगह सी0टी0 स्कैन की सुविधा उपलब्ध करवाएं लेकिन इसका भी कोई जवाब नहीं आया है। आप विभाग को निर्देश दें कि विभाग इस तरह के उत्तर न प्रेषित करें। मैंने पिछले सत्र में Orthopedics और Gynecologist के पदों को भरने के लिए आपसे पर्सनल रिक्वेस्ट की थी। आपने इस सदन में कहा था कि हम इन पदों को भरने का प्रयास करेंगे। डेमोग्राफिकल फाइल में हर क्षेत्र में कुछ-न-कुछ करने की अपेक्षा होती है। अगर हर जगह रैफरल यूनिट ही बनाए जाने हैं या कैरिंग फारवर्डिंग एजेंट की तरह यह लिख देना कि बिलासपुर, एम्स, शिमला या चण्डीगढ़ जाओ तो यह अच्छी परंपरा नहीं है।

मैं मंत्री महोदय से आश्वासन चाहूंगा कि आप इन दो प्वाइंट्स में दो टुक स्पष्ट जवाब दें ताकि मैं आपका धन्यवाद कर सकूं।

स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री : अध्यक्ष महोदय, माननीय सदस्य की चिंता वाजिब है। सच यह है कि पूर्व सरकार का स्वास्थ्य सुविधाओं की ओर इतना ध्यान नहीं गया। आपकी जो समस्या है हमने इसका समाधान ढूंढ लिया है। Hon'ble Speaker, Sir, I would like to inform the august House that a tender to provide CT scan facility, on outsource basis, for 33 institutions in the first phase, has already been floated and in due course, the same will be applied to other health institutions also. As far CH Barthin and CHC Jhanduta are concerned, they will also be covered. And I also would like to say that in the vibrant leadership of our Hon'ble Chief Minister, जो स्वास्थ्य क्षेत्र में हमने आदर्श स्वास्थ्य संस्थान का प्रारूप देखा है, there will be a transformation in the health sector very soon. You have just to show some patience. **As this point raised by Shri Jeet Ram Katwalji, I want to tell him that उनके पास ये सारी सुविधाएं शीघ्र ही उपलब्ध हो जाएंगी।**

30.08.2024/1150/RKS/एचK-2

प्रश्न संख्या : 1832

श्री केवल सिंह पठानिया : अध्यक्ष महोदय, मैंन यह प्रश्न पूछा था कि हिमाचल प्रदेश में विभिन्न पावर प्रोजैक्ट्स से कुल कितनी बिजली पैदा होती है। इसका जवाब आया है कि हिमालच प्रदेश में NTPC, SJVNL, NHPC, Koldam, Baira Suil इत्यादि विभिन्न प्रोजैक्टों से 4,483 मै0वा0 बिजली पैदा होती है। इस जवाब में यह दर्शाया है कि इन परियोजनाओं में 4188 निवासियों को नौकरियां दी गईं जिसमें से 817 नौकरियां हिमाचलियों को दी गईं। मैंने पूछा था कि हिमाचल प्रदेश को इन प्रोजैक्ट्स से कितना राजस्व मिलता है लेकिन विभाग द्वारा इस विषय पर गोलमोल ही उत्तर दिया गया है। धोलासिद्ध, लूहरी, सुन्नी और डुघर पुराने प्रोजैक्ट्स हैं,

श्री बी.एस.द्वारा...जारी

30.08.2024/1155/बी.एस./एच.के.-1

प्रश्न संख्याः 1832 क्रमांगत...

श्री केवल सिंह पठानिया जारी...

अध्यक्ष महोदय, इसमें जो एम.ओ.यू. साईन हुए हैं वह किन मापदण्डों के अनुसार हुए हैं और कितनी रॉयल्टी मिलेगी? इस पर मैं आपके माध्यम से उत्तर चाहता हूं।

मुख्य मंत्री : अध्यक्ष महोदय, माननीय सदस्य ने दो बातें पूछी हैं कि इन दोनों में हमारा रेवेन्यू कितना आता है इनमें पहला फ्री पॉवर का रेवेन्यू और दूसरा इन्होंने पूछा है कि लूहरी, सुन्नी, धौला सिद्ध और डुगर पॉवर प्रोजैक्ट्स के बारे में भी प्रश्न किया है। मैं बार-बार इसका उत्तर देता हूं। अभी पूर्व मुख्य मंत्री जी यहां पर नहीं बैठे हैं। जिस तरह से अटल मैडिकल यूनिर्सिटी के बारे में कोई फैसला नहीं कर पाए और 1,000 करोड़ रुपये हमें देने की स्थिति में आना पड़ा। अब ये जो पॉवर प्रोजैक्ट हैं ये इन्हीं के समय के प्रोजक्ट् हैं। विडम्बना देखिए कि किस प्रकार से प्रदेश के हितों को बेचा गया है? मैं एक-एक चीज इसलिए आपके समक्ष रखना चाहता हूं कि आप भी सुनिए। हमारा लूहरी प्रोजैक्ट है, प्रधान मंत्री महोदय जी ने इसका शिलान्यास किया, देश के प्रधान मंत्री हैं हम उनका सम्मान करते हैं। जो एम.ओ.यू. हुआ इम्लीमेंट, एग्रीमेंट भी नहीं हुआ परंतु एम.ओ.यू. हुआ। उसमें प्रदेश के हितों को कैसे बेचा गया? 12 प्रतिशत फ्री पॉवर यूनिवर्सल है जो मिलती है। उसके बाद वर्ष 2006 में आदरणीय विद्या स्टोक्स जी बिजली मंत्री थीं उन्होंने इसमें परिवर्तन लाया और हमने 12-18-30 और अप फ्रंट प्रीमियम योजना लाई। लेकिन पिछली सरकार ने इन चार प्रोजैक्ट्स में, आदरणीय जय राम ठाकुर जी यहां पर नहीं है उन्हें बहुत जल्दी गुस्सा आ जाना था। जो लूहरी प्रोजैक्ट है उसमें हमें 10 साल बाद 4 प्रतिशत बिजली मिलेगी और 11वें साल में तथा जब प्राजैक्ट फ्री हो जाएगा तो 8 प्रतिशत बजली मिलेगी। 26-40 वर्ष के बीच में 12 प्रतिशत बिजली मिलेगी। यही नहीं सुन्नी में जो हमारा धौला सिद्ध प्रोजैक्ट है 12 प्रतिशत बिजली 26-40 साल के बीच में मिलेगी। आपने लाइफलॉन्ग प्रोजैक्ट दे दिए और इनसे हमें केलव 25 प्रतिश बिजली मिलेगी। सुन्नी में हमें 12 प्रतिशत बिजली थ्रू ऑउट लाइफ, यानी हमारा प्रोजैक्ट पर कोई अधिकार नहीं है। आपने 12-18-40 की

पॉलिसी को भी बदल दिया। जो लाडा डेढ़ प्रतिशत मिलता था वह सी.आर.एस. के तहत मिलता था और जो 50 प्रतिशत जी.एस.टी. था और स्टेट का 9 प्रतिशत

30.08.2024/1155/बी.एस./एच.के.-2

मुआवजा था वह भी आपने माफ कर दिया। यही नहीं मैं एक और बात आपको बताना चाहता हूं कि हमने इस बात को पुरजोर तरीके से उठाया और डुगर प्रोजक्ट में भी जो एन.टी.पी.सी. के पास है। यह हमारी संपदा है, पानी हमारी वैल्थ है जिससे हम अपने प्रदेश को आत्मनिर्भर बना सकते हैं उस संपदा को हमने बेच दिया। मैं आपसे कहना चाहता हूं कोई इम्लीमेंट, एग्रीमेंट किसी में नहीं हुआ। हमारी सरकार आई और मजबूती के साथ दिल्ली में हमने अपना पक्ष रखा। आदरणीय मनोहर लाल खट्टर जी जैसे ही मंत्री बने मैं उनके पास गया। मैंने कहा कि हम लूहरी को भी टेकओवर कर लेंगे, सुन्नी को भी टेकओवर कर लेंगे और धौला सिद्ध को भी टेकओवर कर लेंगे। हमारी सरकार प्रदेश के लोगों के हितों को बेचने नहीं देगी जो पिछली भारतीय जनता पार्टी की सरकार ने बेचे हैं। अध्यक्ष महोदय, इस पर बातचीत जारी है हमारी टेकओवर की प्रोसीडिंग जारी है। ये कोर्ट में चले गए, हम माननीय प्रधान मंत्री जी का सम्मान करके अभी चुप हैं। अभी हमारी कैबिनेट ने फैसला लिया कि पहले 12 वर्ष में हम 12 प्रतिशत पॉवर लेंगे, 12-30 वर्ष तक 18 प्रतिशत पॉवर लेंगे, 30-40 वर्ष तक 30 प्रतिशत पॉवर लेंगे और 40 वर्ष के बाद यह सारे प्रोजैक्ट्स हम अपने पास वापिस लेंगे और इन्हें जिंदगी भर के लिए लेंगे। इन्होंने 12 प्रतिशत फ्री पॉवर भी नहीं ली। माननीय सदस्य ने बहुत अच्छा प्रश्न पूछा है। अभी मंत्री जी से इस पर हमारी बातचीत चली तो एक समझौते पर उनकी सहमति बनती आ रही है कि हम 12 प्रतिशत आपको देने को तैयार हैं। यह सरकार की प्रतिबद्धता होती है। हर जगह हिमाचल प्रदेश के इन्ट्रस्ट को बेचा गया।

श्री दिवेश ठाकुर जारी.....

30.08.2024/1200/डीटी/YK-1

मुख्य मंत्री... जारी

पिछली सरकार ने हर जगह हिमाचल के इंटरस्ट को बेचा है। श्री जय राम ठाकुर जी अभी सदन में उपस्थित नहीं है। मैं चाहता हूं कि वे सदन में उपस्थित होते। पहले शराब के ठेकों और अटल यूनिवर्सिटी में इन्होंने हिमाचल के इंटरस्ट को बेचा। अगर 12,18,30 की शर्तों के अनुसार समझौता नहीं हुआ तो हमारी सरकार इन तीनों प्रोजैक्टों, जिसमें एस.जे.वी.एन.एल. ने काम शुरू कर दिया है और कई जगह 60 प्रतिशत काम हो गया है, हम इन्हें टेक ऑवर करेंगे। डुगर के प्रोजैक्ट में जो हमारा एन.टी.पी.सी. के साथ समझौता है उसमें मैं सदन के माध्यम से कहना चाहूंगा कि अगर वे 12,18,30 व 40 साल बाद हमारी शर्तों पर प्रोजैक्ट देने को तैयार होंगे तो हम उनके साथ काम करेंगे वरना हम उस प्रोजैक्ट को भी टेक ऑवर करेंगे। इसके लिए उच्च स्तरीय व सी.आर.सी. से बातचीत हुई है। मुझे खुशी है कि हम 12 प्रतिशत की पहली लड़ाई जीत चुके हैं और हमने 9 प्रतिशत जी.एस.टी. देने से भी इंकार कर दिया है। लाडा का डेढ प्रतिशत बनता है, उन्हें सी.एस.आर. के तहत काम करना ही है, ये सारी कंपनियां प्रोफिट में हैं। 10 साल बाद ये कंपनियां 1-1 हजार करोड़ रुपये का प्रोफिट कमाती है। लेकिन राज्य के लोगों को इन प्रोजैक्ट्स से क्लाउड ब्रस्ट ही मिलते हैं। जो डैमों में वाष्पीकरण होता है उससे बादल फटते हैं जिससे हमारी संपदा को नुकसान और लोगों की मृत्यु हो रही है। हमारी सरकार इस लड़ाई को पूरी तरह लड़ेगी। मैं सदन को बताना चाहूंगा कि वर्ष 2023-24 में हमें 217 करोड़ रुपये का रेवेन्यू मिला है। यह लंबी सूची है मैं इसे माननीय सदस्यों को उपलब्ध करवा दूंगा।

अध्यक्ष : प्रश्न काल समाप्त। माननीय मुख्य मंत्री जी आप क्या कहना चाहते हैं।

30.08.2024/1200/डीटी/YK-2

<u>व्यवस्था का प्रश्न</u>

मुख्य मंत्री : अध्यक्ष महोदय, नेता प्रतिपक्ष को पिछले कुछ दिनों से सनसनी फैलाने की आदत लग गई है। अब इनकी खिड़कियों में ड्रोन भी झांकने लग गए हैं। इनकी पूरी कोठी की मैपिंग हो रही है। बंद कमरों तक ड्रोन पहुंचने शुरू हो गए हैं। यह हिमाचल प्रदेश

पुलिस का काम नहीं है। कहीं यह काम ई.डी. या सी.बी.आई. वाले तो नहीं करवा रहे हैं? ...(व्यवधान)...

(विपक्ष के सभी सदस्य अपने-अपने स्थान पर खड़े होकर शोरगुल करने लगे।)

अध्यक्ष : कृपया बैठ जाइए। श्री जय राम ठाकुर जी मैं मुख्य मंत्री जी के बाद आपको बोलने का समय दूंगा। कृपया बैठ जाइए।...(व्यवधान)...

श्री एन. जी. द्वारा...जारी

30-08-2024/1205/वाई.के.-एन.जी/1

अध्यक्ष.....जारी

...(Interruption) Hon'ble Members, please take your seats. ऐसा है, माननीय मुख्य मंत्री जी, सदन के नेता होते हैं। ...(व्यवधान) एक मिनट मुझे बोलने तो दीजिए। ...(व्यवधान) माननीय श्री जय राम ठाकुर जी, सुनिए तो सही।...(व्यवधान) माननीय मुख्य मंत्री जी, माननीय सदन के नेता होते हैं और जब वे अपना बयान दे रहे हों तो सभी माननीय सदस्यों को सुनना पड़ता है। अगर कहीं आपको (विपक्ष के नेता) लगता है कि वे गलत बयान दे रहे हैं तो उसको रिप्लाई करने का आपका राइट है और मैं आपको उसके लिए परमिट भी करता हूं। ...(व्यवधान) प्लीज, एक मिनट। आप स्पीकर को ही बोलने नहीं दे रहे हैं। मैं अभी बोल रहा हूं और आप बीच में हाथ खड़ा कर रहे हैं। आपको कंवेंशन्ज़ तो पता होनी चाहिएं। आप डायरेक्शन पढ़ लीजिए। I am sorry to say that जब मैं खड़ा हो गया तो please there should be a silence in the House. This is our convention says; this is our directions says; this is our Rules says. When the Hon'ble Chief Minister or any Minister is saying or even any Member from the ruling benches start speaking, you start interrupting time and again. I am taking all these things very lightly. Let us be very serious. Let the Hon'ble Chief Minister speak,

if he want to say anything. You can also say but if you feel there is something against the House, you can always bring the breach of privilege. माननीय मुख्य मंत्री जी, आप बोलिए।

मुख्य मंत्री : अध्यक्ष महोदय, यह बड़ा गम्भीर विषय है। आप (विपक्ष के नेता) ही ने कहा है कि मेरे घर की खिड़कियों व दरवाजों के पास ड्रोन आ रहे हैं। आप प्रतिपक्ष के नेता हैं और मैंने कहा कि यह विषय बड़ा गम्भीर है। हम पता करेंगे कि आपके घर के ऊपर ड्रोन क्यों घूम रहा है। यदि कोई केन्द्रीय एजेंसी भी ऐसा कर रही है तो हम उसकी जानकारी केन्द्रीय एजेंसियों से प्राप्त करेंगे। मैं माननीय नेता विपक्ष जी से कहना चाहता हूं हमारी सरकार किसी की भी इस प्रकार से जासूसी करने पर विश्वास नहीं रखती और न ही हमने ऐसा कभी कुछ किया है।

30-08-2024/1205/वाई.के.-एन.जी/2

माननीय नेता विपक्ष जी ने जिस प्रकार से अपनी बात रखी है या तो आप सनसनी फैलाना चाहते हैं कि आपके घर की खिड़कियों तक ड्रोन आ रहे हैं और आपके घर के अंदर तक की मैपिंग कर रहे हैं। अगर ऐसी बात है तो यह सब कौन सी केन्द्रीय एजेंसी कर रही है? ऐसा करने वाली तो दो ही केन्द्रीय एजेंसियां होती हैं, एक ई.डी. और दूसरी सी.बी.आई. और इस विषय पर हम उनसे भी बात करेंगे। मैं आपको बार-बार कहना चाहता हूं कि हिमाचल प्रदेश सरकार आपकी सुरक्षा के प्रति तो चिंतित है लेकिन यह सुरक्षा हम ड्रोन के माध्यम से नहीं कर रहे हैं। आपने प्रश्न काल के समय अपनी बात कही और अध्यक्ष महोदय ने कंवेंशन को तोड़ते हुए आपकी बात को सुना। इस विषय पर जवाब देने के लिए मैंने प्रश्नकाल समाप्त होने के बाद अपने अधिकारियों से बात की और पूछा कि क्या माननीय प्रतिपक्ष के नेता, श्री जय राम ठाकुर जी के फोन की जासूसी हो रही है और अधिकारियों ने कहा कि हम किसी भी माननीय विधायक की किसी भी प्रकार की कोई जासूसी नहीं कर रहे हैं। 68 के 68 माननीय विधायकों की कोई जासूसी नहीं हो रही है। ...(व्यवधान)

श्री जय राम ठाकुर : मुख्य मंत्री जी, आप झूठ बोल रहे हैं।

मुख्य मंत्री : मैं झूठ नहीं बोल रहा हूं। ...(व्यवधान) झूठ तो आप बोल रहे हैं। आप यहां पर आकर सनसनी फैलाते हैं।...(व्यवधान)

Speaker : Please, no cross talking. ...(Interruption) Hon'ble Chief Minister, please address the Chair.

मुख्य मंत्री : अध्यक्ष महोदय, इन्होंने स्वयं कहा है कि ड्रोन इनके घर की खिड़कियों तक आ रहे हैं। ...(व्यवधान) आपकी खिड़कियों तक जो ड्रोन आ रहे हैं, वे किसके आ रहे हैं? प्रदेश का मुख्य मंत्री होने के नाते और प्रतिपक्ष के नेता होने के नाते...(व्यवधान)

30-08-2024/1205/वाई.के.-एन.जी/3

श्री जय राम ठाकुर : मुख्य मंत्री जी, आपकी पुलिस के अधिकारी के घर से ड्रोन उड़ता है और उसके बाद नेता प्रतिपक्ष के घर की खिड़कियों में आ कर जासूसी कर रहा है। ...(व्यवधान) अध्यक्ष महोदय, ऐसा दर्जनों बार हो चुका है। ...(व्यवधान)

अध्यक्ष : माननीय नेता प्रतिपक्ष जी, आप बोलिए।...(व्यवधान)

उप मुख्य मंत्री : अध्यक्ष महोदय, ये कह रहे हैं कि इनके घर के पास ड्रोन उड़ रहा है लेकिन जब ये मुख्य मंत्री थे तो हमारे घर में बन्दे घुस जाते थे।

श्री जय राम ठाकुर : कोई बन्दा नहीं घुसता था, वह आपका ही बन्दा होगा।

श्रीमती के.एस. द्वारा जारी.....

30.08.2024/1210/केएस/एजी/1

श्री जय राम ठाकुर जारी---

अध्यक्ष महोदय, हम इस विषय की गम्भीरता को कहने के लिए खड़े हैं कि यह नहीं, दर्जनों बार हो गया। क्या वहां पर वह ड्रोन जहां से चला, हमारी जानकारी के मुताबिक वह आपके आला पुलिस अधिकारी, जिसके कहने पर आपने आंखें बंद कर रखी हैं, उनके वहां से वह उड़ता है और हमारे घर के चारों तरफ चार बार चक्कर काटता है, जब हम वहां पर थे और उसके बाद अगर इस मामले को मैंने आपकी अनुमति से इस माननीय सदन में रखा तो क्या गुनाह किया? अगर आप अच्छे के लिए कुछ कर रहे होंगे तो बताएं लेकिन ट्वीस्ट देने की बात कर रहे हैं कि यह एजेंसी, वह एजेंसी, कोई और एजेंसी नहीं, वह हिमाचल प्रदेश की पुलिस कर रही है, यह मैं जिम्मेवारी के साथ बोल रहा हूं। जो आप रिकॉर्डिंग की बात कर रहे हैं, मैं इस बात को जिम्मेवारी के साथ कह रहा हूं, यहां पर हमारे विधायक महोदय श्री आशीष शर्मा जी बैठे हैं। इनको आठ-आठ घंटे पुलिस थाना में बैठाया जा रहा है। ये अपने घर वापिस जाते हैं, आधे रास्ते में जाने के बाद फिर कहते हैं कि नहीं-नहीं आपको दोबारा आना होगा। विधायक आधे रास्ते से वापिस आते हैं और चार घंटे के लिए दोबारा पुलिस थाने में इनको बैठाया जाता है।

अध्यक्ष : जय राम जी, ये लॉ एण्ड ऑर्डर के इशूज़ हैं। अभी 130 की डिस्कशन हो रही है।

श्री जय राम ठाकुर : सर, लॉ एण्ड ऑर्डर के इशूज़ नहीं हैं। आख़िरकार के क्या साबित करना चाह रहे हैं? जहां मैंने अगर आज बात की है, इंस्टीट्यूशन की बात है। मैंने इस बात को कहीं और नहीं कहा, मैं आज घर से आया, मुझे सिर्फ यही लगा, मैंने अपने विधायक साथियों से भी बात की और उसके बाद मुझे लगा कि माननीय सदन में इस सारे विषय पर बात करनी चाहिए। आप अधिकारियों को इजाज़त दीजिए लेकिन इस हद तक मत दें कि वो हर हरकत करने में लग जाएं। मैंने आपके संज्ञान में बात लाई और हम उम्मीद करते थे कि प्रदेश का मुख्य मंत्री जिम्मेवार व्यक्ति होता है, जिम्मेवारी के साथ ये जवाब देंगे और अगर किसी अधिकारी ने ऐसा किया है तो उसके खिलाफ कार्रवाई करने की बात करेंगे लेकिन ये कह रहे हैं कि हम सी.बी.आई. और ई.डी. की जांच करेंगे कि उन्होंने वहां पर ड्रोन क्यों भेजा? आपके पुलिस का आला अधिकारी जिनको आपने हर तरह का संरक्षण दे रखा है, गलत बातों का संरक्षण दिया है। मालरोड़ पर हत्या होती है, उस पर आप कुछ

नहीं बोलते। जहां ब्लास्ट होता है, आदमी की हत्या हो जाती है, आपकी सरकार ने उसकी फोरेंसिक रिपोर्ट को दबाने की कोशिश की। ये सारी चीजें गम्भीरता से ली जानी चाहिए। आज मैंने इसलिए यह बात कही है कि मुझे लगता था कि मुख्य मंत्री जी इसका गम्भीरता से जवाब देंगे। जो नहीं दिया, यह दुर्भाग्यपूर्ण है।

Speaker: Your concerns have been taken care of. इन्होंने तीन-चार आरोप लगाए हैं कि आपकी पुलिस कर रही है। Whether that is doing or not, that you have to explain.

मुख्य मंत्री : अध्यक्ष महोदय, प्रतिपक्ष के नेता आपा क्यों खो रहे हैं? मैंने तो यहां से खड़े हो कर बोल दिया कि कोई भी पुलिस का कि कोई भी पुलिस का अधिकारी इस कार्य में सम्मिलित नहीं है। ...(व्यवधान)

अध्यक्ष : कृपया माननीय मुख्य मंत्री को बोलने दें। ...(व्यवधान) Order in the House please.

मुख्य मंत्री : आप गुस्सा मत कीजिए। माननीय प्रतिपक्ष के नेता, ठीक है गुस्सा आता है, अच्छी बात है लेकिन इतना ज्यादा नहीं करना चाहिए जो सेहत के लिए हानिकारक हो। यह गुस्सा हानिकारक वाला है।

अध्यक्ष महोदय, मैं फिर कह रहा हूं कि जब से हमारी सरकार बनी हुई है, तब से न तो किसी ड्रोन के द्वारा प्रतिपक्ष के नेता की जासूसी करवाई गई है और कोई भी अधिकारी अगर इसमें सम्मिलित होगा, हम उसके खिलाफ भी एक्शन लेंगे। ऐसी कोई जब प्रदेश का मुख्य मंत्री बोल रहा है, ये कह रहे हैं कि झूठ बोल रहा है। अध्यक्ष महोदय, आप तो दोनों पक्षों के संरक्षक हैं।

श्रीमती अ0व0 द्वारा जारी---

30.08.2024/1215/av/ag/1

मुख्य मंत्री --------जारी

अध्यक्ष महोदय, आप दोनों पक्षों के संरक्षक हैं। अगर मैं कुछ गलत बोलूंगा तो विपक्ष के लोग प्रिविलेज मोशन ला सकते हैं। मैं दोबारा से कह रहा हूं कि यह एक चिंता का विषय है कि इनकी कोठी के इर्द-गिर्द ड्रोन गया और उसको कौन-सी एजेंसी करवा रही है, यह जांच का मैटर है। मैं इस बारे मैं जांच करवाऊंगा कि क्या श्री जय राम ठाकुर जोकि पूर्व मुख्य मंत्री रहे हैं, उसको ई0डी0, सी0बी0आई0 या कौन करवा रहा है, क्योंकि हमारी सरकार ने ऐसा नहीं किया है तथा अगर किसी और ने गलत किया होगा तो हम इसकी जांच करवाएंगे। हम आपके प्रति चिंतित हैं। अगर सिक्योरिटी की जरूरत भी होगी तो आपको पुलिस वाले दिए जाएंगे। **मैं यह फिर से कहना चाहता हूं कि आपके घर में घुसने वाला ड्रोन एक सीरियस मैटर है। इस मामले को हम गंभीरता से लेंगे और इस संदर्भ में जांच करवाएंगे।**

30.08.2024/1215/av/ag/2

व्यवस्था का प्रश्न

Speaker: What is your Point of Order?

श्री मलेन्द्र राजन : अध्यक्ष महोदय, देश को जब-जब जरूरत पड़ी हमारे प्रदेश के रणबांकुरों ने अपनी शहादत दी। मेरे विधान सभा क्षेत्र से ऐसे ही एक युवा मेज़र दीक्षांत थापा थे। वे आज ही के दिन वर्ष 2020 में शहीद हुए थे। मेज़र दीक्षांत थापा का जन्म दिनांक 10 अक्तूबर, 1994 को हुआ था। वे Sixth Mechanized Infantry Unit के मेज़र थे और जम्मू-कश्मीर के लेह सेक्टर में अपनी ड्यूटी निभाते हुए एक ऑपरेशन के दौरान शहीद हुए। उस वक्त के मुख्य मंत्री आज के नेता प्रतिपक्ष हैं। इन्होंने तथा हमारे प्रदेश के दूसरे तमाम नेताओं ने उनकी शहादत पर गहरा शोक व्यक्त किया था और उस दौरान शहीद के परिवार को आश्वासन भी दिए थे। लेकिन उस समय के दिए हुए आश्वासन आज भी अधूरे हैं। मेरे विधान सभा क्षेत्र के अंतर्गत उनके पैतृक गांव बाड़ी-कंदरौड़ी में आज मेज़र दीक्षांत थापा के नाम पर एक श्रद्धांजलि समारोह चल रहा है। शहीद के माता-पिता और भाई आज भी उन आश्वासनों को लेकर सरकार की तरफ देख रहे हैं। किसी भी सैनिक की शहादत पर सरकार जो उनके परिवारों को आश्वासन देती है उनको पूरा

किया जाना चाहिए। अतः मेरा यही कहना है कि मेज़र दीक्षांत थापा की शहादत पर उनके परिवार को दिए गए आश्वासनों को भी पूरा किया जाना चाहिए।

Speaker: Your point has been taken on record. Since the Government is seized of the matter, the Government may take action as per your viewpoint.

30.08.2024/1215/av/ag/3

व्यवस्था का प्रश्न

माननीय सदस्य श्री इन्द्र दत्त लखनपाल जी, आप क्या कहना चाहते हैं? आप सिर्फ व्यवस्था के प्रश्न पर ही बोलना।

श्री इन्द्र दत्त लखनपाल : अध्यक्ष महोदय, मेरा व्यवस्था का प्रश्न बहुत ही जरूरी है। आपने मुझे बोलने का समय दिया, आपका धन्यवाद।

अभी पीछे जब लोक सभा के चुनाव और विधान सभा के उप चुनाव हुए थे ***

अध्यक्ष : माननीय सदस्य, इस माननीय सदन की कार्यवाही के दौरान ऐसा कोई बयान नहीं दिया गया। ...(व्यवधान) मैंने यह कहा कि इस सदन की कार्यवाही के दौरान ऐसा कोई बयान नहीं दिया गया और इस सदन से बाहर मेरा अधिकार क्षेत्र अलग है। ...(व्यवधान) I am not allowing you. माननीय सदस्य श्री इन्द्र दत्त लखनपाल जी, मैं आपको अलाउ नहीं कर रहा हूं, मैं केवल अपनी व्यवस्था दे रहा हूं। आप बैठ जाइए। ...(व्यवधान)

टी सी द्वारा जारी

***अध्यक्षपीठ के आदेशानुसार निकाला गया।

30.08.2024/1220/टी0सी0वी0/ए0एस0-1
अध्यक्ष ... जारी

इस माननीय सदन के अंदर ऐसा न कोई बयान दिया गया और न मैं देता हूं। ...(व्यवधान)... माननीय सदस्य श्री इन्द्र दत्त लखनपाल बैठ जाएं । am not allowing you Shri Inder Dutt Lakhanpal kindly sit down, let me complete. पहले मुझे अपनी बात कंप्लीट करने दें। इस सदन के बाहर मेरे अधिकार क्षेत्र अलग हैं जो कानूनन भी हैं और कानूनन दृष्टि से ही वे निर्णय लिए गए हैं। माननीय न्यायालय के द्वारा उन निर्णयों को अप्रूव किया गया है। इसलिए यह चेयर ऐसा कोई विषय इस माननीय सदन में उठाने की इजाजत नहीं देती है।

(विपक्ष के सभी माननीय सदस्य अपनी-अपनी सीट पर खड़े होकर नारेबाजी करने लगे।)

30.08.2024/1220/टी0सी0वी0/ए0एस0-2

कागज़ात सभा पटल पर

अध्यक्ष : अब उद्योग मंत्री जी कुछ कागज़ात सभा पटल पर रखेंगे।

उद्योग मंत्री : अध्यक्ष महोदय, मैं आपकी अनुमति से भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार (रोजगार के नियम एवं शर्तें) अधिनियम, 1996 की धारा 26 के अन्तर्गत हिमाचल प्रदेश भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण बोर्ड का 14वाँ वार्षिक प्रतिवेदन, वर्ष 2022-23 (विलम्ब के कारणों सहित), की प्रति सभा पटल पर रखता हूं।

अध्यक्ष : अब राजस्व मंत्री कुछ कागज़ात सभा पटल पर रखेंगे।

राजस्व मन्त्री : अध्यक्ष महोदय, मैं आपकी अनुमति से हिमाचल प्रदेश कृषि, बागवानी और वानिकी विश्वविद्यालय अधिनियम, 1986 (1987 का अधिनियम संख्या 4) की धारा 45 (4) के अन्तर्गत डा0 वाई0 एस0 परमार औद्यानिकी एवं वानिकी विश्वविद्यालय नौणी, सोलन का वार्षिक लेखा परीक्षा प्रतिवेदन, वर्ष 2016-17, 2017-18, 2018-19, 2019-20 एवं 2020-21 (विलम्ब के कारणों सहित), की प्रति सभा पटल पर रखता हूं।

30.08.2024/1220/टी0सी0वी0/ए0एस0-3

<u>सदन की समिति का प्रतिवेदन</u>

अध्यक्ष : अब सदन की समिति का प्रतिवेदन सभा पटल पर रखा जाएगा। श्री नन्द लाल सभापति, कल्याण समिति, कल्याण समिति के प्रतिवेदन की प्रति सभा में उपस्थापित करेंगे तथा सदन के पटल पर रखेंगे।

श्री नन्द लाल : अध्यक्ष महोदय, मैं आपकी अनुमति से कल्याण समिति, (वर्ष 2024-25), समिति का 25वाँ कार्रवाई प्रतिवेदन (चौदहवीं विधान सभा) जोकि समिति का 48वाँ मूल प्रतिवेदन (तेरहवीं विधान सभा) (वर्ष 2022-23) पर सरकार द्वारा कृत्त कार्रवाई पर आधारित तथा सुनिश्चित रोजगार के लिए योग्यता बढ़ाने हेतु प्रशिक्षण योजना व सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग से सम्बन्धित है, की प्रति सभा में उपस्थापित करता हूं तथा सदन के पटल पर रखता हूं।

30.08.2024/1220/टी0सी0वी0/ए0एस0-4

नियम-62 के अंतर्गत ध्यानाकर्षण प्रस्ताव

अध्यक्षः अब माननीय सदस्य श्री सतपाल सिंह सत्ती नियम-62 के अंतर्गत अपना ध्यानाकर्षण प्रस्ताव प्रस्तुत करेंगे और मुख्य मंत्री जी चर्चा का उत्तर देंगे। श्री सतपाल सिंह सत्ती यदि चाहें तो अध्यक्षपीठ की अनुमति से स्पष्टीकरण मांग सकते हैं।

(**विपक्ष के सभी माननीय सदस्य वेल में आकर नारेबाजी करने लगे।**)

Speaker: He is not interested to raise this issue under Rule-62, अब माननीय सदस्य श्री राकेश कालिया जी नियम-62 के अंतर्गत अपना ध्यानाकर्षण प्रस्ताव प्रस्तुत करेंगे तथा उप मुख्य मंत्री जी इस चर्चा का उत्तर देंगे। श्री राकेश कालिया जी यदि चाहें तो अध्यक्षपीठ की अनुमति से स्पष्टीकरण मांग सकते हैं।

Speaker: : Nothing will go on record. This protest is against the norms and convention of the House, if need be, I will be taking action against all the

Members those who have come to the Well of the House, without any rhyme and reasons. I will proceed as per the rules against all the Members those who are in the Well of the House. Shri Rakesh Kaliaji, please take your issues.

श्री राकेश कालिया : आदरणीय अध्यक्ष महोदय, मैं आपकी अनुमति से नियम-62 के अंतर्गत "चिन्तपुरनी विधान सभा निर्वाचन क्षेत्र के अन्तर्गत माया दास सदन से चिन्तपुरनी माता दर्शन हेतु बनने वाले रज्जुमार्ग से वहां के लोकल दुकानदार व अन्य व्यवसाय अजड़ जाएंगे से उत्पन्न स्थिति बारे माननीय सदन का ध्यान आकर्षित करना चाहता हूं।" अध्यक्ष महोदय, यहां माननीय मुख्य मंत्री और उप मुख्य मंत्री जी भी बैठें है, मैं आपके माध्यम से इनसे यह आग्रह करना चाहता हूं कि चिन्तपुरनी में जो रज्जूमार्ग बनाया जा रहा है उससे हजारों दुकानदार इफैक्टिड होंगे। इसलिए उसको माया दास सदन से न लगाकर किन्नू जहां पेट्रोल पम्प भी है वहां से लगाया जाए ताकि दुकानदारों को उजड़ने से बचाया जा सके। अगर श्रद्धालुओं को हवा के रास्ते से ले जाएंगे और वे हवा के रास्ते से ही वापिस आ जाएंगे तो इससे हिमाचल प्रदेश और खासकर ऊना जिला की आर्थिकी को नुकसान होगा। इससे हजारों ढाबे, मनियारी, चाय, प्रसाद इत्यादि छोटे-छोटे व्यवसाय करने वाले लोगों का व्यवसाय खराब हो जाएगा क्योंकि आधे लोग इलैक्ट्रिक व्हीकल से मंदिर में दर्शन करने के लिए चले जाते हैं और जो बाकी बचेंगे वे रज्जुमार्ग से चले जाएंगे जिससे चिन्तपुरनी का सारा बाजार उजड़ जाएगा।

एन0एस0 द्वारा जारी ....

30-08-2024/1225/एन0एस0-ए0एस0/1

श्री राकेश कालिया ------ जारी

मैं मुख्य मंत्री जी व उप-मुख्य मंत्री जी से निवेदन करता हूं कि आप इसका दोबारा से आकलन करें। मैंने आपसे स्वयं मिलकर भी प्रार्थना की थी कि इस रज्जुमार्ग को वहां से न लगा कर किन्नू से लगाया जाए। मैं उप-मुख्य मंत्री जी आपका ध्यान आकर्षित करना चाहता हूं कि यह आपका महत्वाकांक्षी प्रोजैक्ट है लेकिन आपकी बड़ी मेहरबानी होगी अगर आप इसको किन्नू से लगाएंगे। यह किन्नू से 3 किलोमीटर लग जाएगा और बड़ी चढ़ाई खत्म हो जाएगी। ट्रेफिक जाम की समस्या खत्म हो जाएगी और लोगों का व्यापार बच

जाएगा। हम करोड़ों रुपये खर्च करके बाहर से श्रद्धालुओं व पर्यटकों को इसलिए आकर्षित करते हैं कि वे हिमाचल में आएं और हमारे व्यवसायिओं को इसका लाभ मिले। अगर लोग हवा मार्ग से मंदिर जाएंगे और वहीं से वापिस आएंगे तो व्यापारियों को कोई फायदा नहीं होगा। मेरी उप-मुख्य मंत्री जी से प्रार्थना रहेगी कि इसको इवैल्यूएट करके किन्नू से लगाया जाए ताकि चिन्तपुरनी बाजार उजड़ने से बच जाए। जैसे मैंने पहले कहा कि लोग इलैक्ट्रिक व्हीकल से मंदिर जाते हैं और अब रज्जुमार्ग से मंदिर चले जाएंगे तो छोटे दुकानदारों का कारोबार खत्म हो जाएगा। मैं मुख्य मंत्री जी व उप-मुख्य मंत्री जी से अनुरोध करना चाहता हूं कि आप इस पर दोबारा से विचार करें और किन्नू से इस रज्जुमार्ग को लगाएं। आपकी अति मेहरबानी होगी।

अध्यक्ष महोदय, आपने मुझे बोलने का समय दिया, आपका बहुत-बहुत आभार। धन्यवाद, जय हिंद।

30-08-2024/1225/एन0एस0-ए0एस0/2

अध्यक्ष : अब माननीय उप-मुख्य मंत्री जी इसका उत्तर देंगे।

उप-मुख्य मंत्री : अध्यक्ष महोदय, हमारी सरकार स्थायी हो गई और इन्होंने सरकार तोड़ने की कोशिश की, ऑपरेशन लोटस फेल हो गया तथा ऑपरेशन लोटस फेल होने के बाद अब ये लोग (विपक्ष) अपने खिलाफ नारे लगा रहे हैं। ... (व्यवधान) हम 40 विधायक थे और फिर 40 विधायक हो गए और क्या चाहते हैं? अध्यक्ष महोदय, माननीय सदस्य श्री राकेश कालिया जी ने चिन्तपुरनी के रज्जुमार्ग को लेकर मसला उठाया है। मैं कहना चाहता हूं कि चिन्तपुरनी अहम धार्मिक स्थल है। लगभग 50-60 लाख श्रद्धालु हर वर्ष मंदिर में दर्शन करने आते हैं और वहां पर रज्जुमार्ग लगाने का फैसला हुआ था, उस समय राकेश कालिया जी विधायक नहीं थे और अब ये मामला काफी आगे जा चुका है। इसका टेंडर हो चुका है, मशीनरी खरीदी जा चुकी है। इसका टेंडर अवार्ड होगा और अगर आर्बिट्रेशन में जाएगा तो बहुत भारी नुकसान हो जाएगा क्योंकि यह 76.50 करोड़ रुपये का टेंडर है। इसकी मशीनरी आस्ट्रिया से आ रही है। हम आपकी भावनाओं से सहमत हैं। अध्यक्ष महोदय, वैसे तो काशी रज्जुमार्ग, वाराणासी में लग रहा है, शंकराचार्य मंदिर

रज्जुमार्ग, जम्मू-कश्मीर में भी लग रहा है, बिजली महादेव, बाबा बालकनाथ मंदिर और मण्डी के बगलामुखी मंदिर में भी रज्जुमार्ग लग रहा है। माननीय सदस्य श्री राकेश कालिया जी चिन्तपुरनी के विधायक हैं

आर0के0एस0 द्वारा ------ जारी

30.08.2024/1230/RKS/डीसी-1

उप-मुख्य मंत्री.. जारी

(विपक्ष के सभी सदस्य वेल में नारेबाजी करते रहे।)

फिर भी हम चिन्तपुरनी के माननीय विधायक से मुख्य मंत्री की अध्यक्षता में मीटिंग कर लेंगे और इस पर हल निकालने का प्रयास करेंगे।

अध्यक्ष : माननीय सदस्य, श्री राकेश कालिया जी क्या आप कोई स्पष्टीकरण लेना चाहेंगे? Are you satisfied with the reply? Ok you are satisfied. अब माननीय सदस्य, श्री बलबीर सिंह वर्मा अपना ध्यानाकर्षण प्रस्ताव प्रस्तुत करेंगे और माननीय ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज मंत्री इसका उत्तर देंगे। Shri Balbir Singh Verma is not interested to raise the Call Attention. अब कुमारी अनुराधा राणा अपना ध्यानाकर्षण प्रस्ताव प्रस्तुत करेंगी और माननीय ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज मंत्री इसका उत्तर देंगे।

कुमारी अनुराधा राणा : अध्यक्ष महोदय, मैं आपकी अनुमति से "भारी बरसात के कारण सिस्सू पुल के क्षतिग्रस्त होने पर सदन का ध्यान आकर्षित करना चाहूंगी।"

अध्यक्ष : माननीय मंत्री महोदय।

ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज मंत्री : अध्यक्ष महोदय, कुमारी अनुराधा राणा जी ने नियम-62 के अंतर्गत महत्वपूर्ण प्रस्ताव प्रस्तुत किया है। इस मामले की वास्तविक स्थिति इस प्रकार से है:-

वर्ष 2023 में भारी बारिश व बाढ़ के कारण सिस्सू में नर्सरी नामक स्थान पर 80 मीटर पैदल योग्य पुल बह गया था। तदुपरांत लोगों की सुविधा हेतु इस स्थान पर दो झूलों का निर्माण किया गया जो वर्तमान में कार्यशील हैं। इस स्थान पर 122 मीटर लम्बा, मोटर योग्य पुल प्रस्तावित है। इस पुल की General Arrangement Drawing के अनुमोदन हेतु ब्रिज साइट की मिट्टी की जांच पूरी कर ली गई है तथा इस पुल का प्राथमिक प्राक्कलन प्रक्रियाधीन है। समस्त औपचारिकताएं पूर्ण करने के पश्चात् इस पुल के निर्माण करने की आगामी कार्रवाई अमल में लाई जाएगी। सरकार माननीय सदस्या की चिंताओं से भली-भांति परिचित है तथा जन समस्याओं के समाधान हेतु हमेशा प्रयासरत है।

30.08.2024/1230/RKS/डीसी-2

अध्यक्ष : अब दिनांक 27.08.2024 को नियम-130 के अंतर्गत प्रस्तुत प्रस्ताव च्प्रदेश में भारी बरसात/आपदा के कारण जनमानस, सड़कों, पुलों, घरों, फसलों, सरकारी भवनों, निजी भूमि, पेयजल व सिंचाई योजनाओं को हुए नुकसान बारे यह सदन विचार करेछ पर आगे चर्चा होगी। इस विषय पर माननीय सदस्य अपने विचार रखना चाहते हैं परंतु मुझे लगता है कि बहुत सारे सदस्य इस समय इस पर अपने विचारों की अभिव्यक्ति नहीं करना चाहते। इसलिए इस माननीय सदन की बैठक दोपहर के भोजन के लिए अपराह्न 2.00 बजे तक स्थगित की जाती है।

30.08.2024/1405/बी.एस./एच.के-1

(सदन की बैठक दोपहर के भोजनोपरांत अपराह्न 2.05 बजे पुनः आरम्भ हुई)

व्यवस्था का प्रश्न

अध्यक्ष : उद्योग मंत्री जी आप क्या कहना चाहते हैं?

उद्योग मंत्री (संसदीय कार्य मंत्री): अध्यक्ष महोदय, अभी भोजन काल से पहले माननीय सदस्य श्री इन्द्र दत्त लखनपाल जी ने अपनी मन की पीड़ा यहां पर प्रकट की है और आपके प्रति भी उन्होंने जो टिप्पणी की है वह बहुत निंदनीय है। जो भी टिप्पणी की गई वह कहीं रिकॉर्ड पर नहीं है और सदन के अंदर यह बात बोली ही नहीं गई है। जिस टिप्पणी को अध्यक्ष महोदय ने एक्सपंज किया है और मैं दोबारा से इन बातों को दोहना नहीं

चाहूंगा। ऐसे विषय पर चर्चा के लिए आपने व्यवस्था का प्रश्न दे करके बोलने का मौका दिया है। परंतु यह व्यवस्था का प्रश्न नही है कि आप अध्यक्ष महोदय के ऊपर ही ऊंगली उठाना शुरू कर दें। मैं अध्यक्ष महोदय, आपको बधाई दूंगा कि आपने एक न्यूट्रल अध्यक्ष के रूप में सदन के सभी सदस्यों को बोलने का मौका दिया है। आप बहुत उदार रहे हैं, आदरणीय जय राम ठाकुर जी ने प्रश्न काल आरंभ होने से पहले ही व्यवस्था का प्रश्न उठाया था। जबकि प्रश्न काल में व्यवस्था का प्रश्न नहीं होता है। उसके बावजूद आपने आदरणीय जय राम ठाकुर जी को अपना मुद्दा उठाने का मौका दिया है। परंतु इसका मतलब यह नहीं कि विपक्ष के माननीय सदस्य जब मर्जी व्यवस्था का प्रश्न शुरू कर दें और सदन में ऐसी बातें बोलें जिनका सदन से कोई संबंध ही न हो। हम समझ सकते हैं कि माननीय सदस्य की पीड़ा है और दर्द है। जो यहां पर 27-28 फरवरी, 2024 को घटनाक्रम हुआ है वह निंदनीय और दुःखद है। हम सब ने देखा कि किस प्रकार से हमारे विपक्ष के माननीय सदस्यों का अचरण रहा है। आपके आसन तक पहुंच गए और यहां पर कागज़ फैंके गए। यह हिमाचल प्रदेश के इतिहास में सदन के अदंर ऐसा ड्रामा नहीं हुआ है। अगर हम सब टिप्पणियां करने शुरू कर दें तो सही नहीं होगा। आदरणीय जय राम ठाकुर जी ने 27 तारीख को यह कहा था कि इस सरकार को तो भगवान भी नहीं बचा सकता। परंतु इस सरकार को हिमाचल प्रदेश की जनता ने बचाया है। वर्ष 2022 में हमारे कांग्रेस के विधायकों की संख्या 40 थी और आज भी हमारे विधायको की संख्या 40 है। अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से आदरणीय जय राम ठाकुर जी को और विपक्ष के सभी सदस्यों से कहना चाहूंगा कि जो आपने

30.08.2024/1405/बी.एस./एच.के-2

घटनाक्रम द्वारा ऑपरेशन लोटस किया था उसे हिमाचल प्रदेश की जनता ने और मुख्य मंत्री के नेतृत्व में कांग्रेस सरकार ने फेल कर दिया है। आपको यह करारा जवाब हिमाचल प्रदेश की जनता ने दिया है। जनता ने आपको वर्ष 2027 तक विपक्ष में बैठने के लिए भेजा है। आप इस बात को अपने मन में मना लो और आदत डाल लो। यह सरकार वर्ष 2027 तक मजबूत है। आपने प्रयास किए परंतु आपके प्रयास विफल हुए है।

श्री दिवेश ठाकुर जारी.....

30.08.2024/1410/DT/HK-1

उद्योग मंत्री.... जारी

हम आपसे यह उम्मीद रखते हैं कि आप जो हमारी सरकार इस समय आर्थिक कठिनाइयों से गुजर रही है, उन आर्थिक कठिनाइयों से बाहर निकलने के लिए आप सरकार का सहयोग करें। हम आपसे पॉजिटिव सहयोग चाहते हैं। लखनपाल जी ने आपके ऊपर प्रश्न उठाने की कोशिश की है, वह निंदनीय है। मैं इसकी निंदा व भर्त्सना करता हूं। मैं प्रस्ताव पेश करता हूं कि हम सभी सदस्य अपनी सीमाओं में रहें। अध्यक्ष महोदय के आसन पर जो अंगुली उठाई गई है, ऐसा दोबारा न हो।

अध्यक्ष महोदय, आपने मुझे बोलने का समय दिया आपका बहुत-बहुत धन्यवाद।

अध्यक्ष : अभी माननीय संसदीय कार्य मंत्री ने अपने विचारों की अभिव्यक्ति करते हुए सदन की परंपराओं और नियमों का उल्लेख करते हुए जो प्रस्ताव यहां रखा उसके लिए मैं आपका आभारी हूं। मैं स्पष्ट तौर पर यह कहना चाहूंगा पर कि अध्यक्ष के रूप में जो मेरा काम-काज है, अभी तक जो सत्र हुए हैं, उनमें मैंने पूरी तरह न्यूट्रल रहकर अपने कर्तव्यों का निर्वहन किया है। सदन का रिकॉर्ड इस बात का साक्षी है कि सत्ता पक्ष से ज्यादा समय विपक्ष के साथियों को मिला। जो हमारे सदन के नियम- कानून हैं वे कहते हैं कि जब नोटिस आए तो उसके बाद कम- से- कम एक दिन का समय सरकार को जवाब के लिए मिलना चाहिए। जब मुझे यह लगा कि ऐसे इमरजेंसी नोटिस के ऊपर कल ही चर्चा चाहिए तो उसके लिए भी मैंने माननीय सदस्य को इजाजत दी। जो श्री बलबीर सिंह वर्मा जी का निमय- 62 में लिस्टिड इश्यू था उसे कल ही दिया गया और आज ही मैंने इसे लिस्ट कर दिया। मेरा यह प्रयास रहा है कि सभी को अकोमोडेट किया जाए। अब कोई मुझे सीखाना चाहे तो मेरी उम्र अब सीखने की नहीं है। श्री चन्द्र कुमार जी के अलावा आप सभी माननीय सदन के सदस्य मेरे बाद आए हैं। मैं आप सबकी व्यक्तिगत तौर पर भी पहचान करता हूं। इसलिए मुझे उन विषयों के ऊपर नहीं जाना है। जो नियम है मैं उसे पढ़ देता हूं। आप सभी मेरा सहयोग करें और इसके लिए मैंने पहले ही दिन आपसे रिक्वेस्ट भी की थी। मैं कभी मौका नहीं दूंगा कि सदन के अंदर मेरा कोई शब्द यहां से वहां चला जाए। मुझे मालूम है

कि सदन के अंदर क्या कहना और सदन के बाहर क्या कहना है। मेरा पद संवैधानिक है लेकिन मेरे दायित्व अलग-अलग हैं और अलग-अलग दायित्व के निर्वहन में जो भी भाषा मैं

30.08.2024/1410/DT/HK-2

प्रयोग करता हूं वह सही है, दुरूस्त है और मैं उसमें अडिग हूं। मैं यह कहना चाहूंगा कि नियम-318 उन माननीय सदस्यों के लिए है जो सदन के अंदर कोई भी या किसी भी प्रकार का कोई बिल्ला लगा के आए हैं वह सदन के भीतर किसी भी प्रकार बिल्ला नहीं लगा सकते और अगर आपने लगाये हैं तो कृप्या करके इनको रिमूव कर दीजिए because this is against the Rules of the House; this is against the convention of the House and this is also against the directions of the Speaker of the House.

श्री एन0जी0 द्वारा जारी...

30-08-2024/1415/वाई.के.-एन.जी/1

अध्यक्ष.....जारी

मैं इस बात को इससे ज्यादा बढ़ाना नहीं चाहता क्योंकि मैंने माननीय सदन के अंदर अनेक बार माननीय सदस्यों के इंट्रस्ट को प्राथमिकता देते हुए नियमों को रिलैक्स किया है। लेकिन आप लोग चाहते हैं कि मैं नियमों पर ही चलूं तो मैं नियम पर ही चलूंगा। इसलिए नियमों के तहत जो भी वांछित कार्रवाई बनेगी, उसे मैं करूंगा और वह मेरा अधिकार क्षेत्र है। इन्हीं शब्दों के साथ आपने (सत्तापक्ष की ओर देखते हुए) जो निंदा प्रस्ताव पास किया है, उसके लिए मेरा आभार है। अब नियम-130 के अंतर्गत चर्चा होगी। ...(व्यवधान)

श्री जय राम ठाकुर : अध्यक्ष महोदय, हमें बोलने का मौका तो दीजिए। ...(व्यवधान)

अध्यक्ष : नियमों में प्रावधान ही नहीं है। ...(व्यवधान) सुन लीजिए। ...(व्यवधान)

श्री जय राम ठाकुर : अध्यक्ष महोदय, माननीय सदन केवल सत्तापक्ष ही नहीं होता बल्कि विपक्ष को मिलाकर सदन बनता है। ...(व्यवधान)

अध्यक्ष : इन्होंने (सत्ता पक्ष) जो निंदा प्रस्ताव रखा है यदि आप (नेता प्रतिपक्ष) उससे सहमत हैं तो मैं आपको बोलने दूंगा। ...(व्यवधान)

श्री जय राम ठाकुर : अध्यक्ष महोदय, हम उसका विरोध करते हैं। ...(व्यवधान)

अध्यक्ष : आप विरोध करते हैं तो फिर ठीक है। अब मैं नियम-130 के तहत विषय को चर्चा के लिए ले रहा हूं। ...(व्यवधान) नियम-130 के अंतर्गत दिनांक 27-08-2024 को प्रस्तुत प्रस्ताव "प्रदेश में भारी बरसात/आपदा के कारण जनमानस, सड़कों, पुलों, घरों, फसलों, सरकारी भवनों, निजी भूमि, पेयजल व सिंचाई योजनाओं को हुए नुकसान बारे यह सदन विचार करे" पर आगे चर्चा होगी। ...(व्यवधान)

30-08-2024/1415/वाई.के.-एन.जी/2

(विपक्ष के सभी माननीय सदस्य अपने-अपने स्थान पर खड़े होकर शोरगुल करने लगे।)

इस चर्चा के दौरान अंतिम वक्ता डॉ0 जनक राज बोल रहे थे if you want to speak, you are allowed here to speak. There is no need to shout. ...(Interruption) Hon'ble Member Dr. Janak Raj if you want to participate, you please participate otherwise मैं दूसरा नाम ले रहा हूं। You want to participate? I think you are not interested to participate. ...(Interruption) माननीय श्री मलेन्द्र राजन, आप बोलिए। ...(व्यवधान)

(विपक्ष के सभी माननीय सदस्य अपने-अपने स्थान पर खड़े होकर नारेबाजी करने लगे।)

श्री मलेन्द्र राजन : अध्यक्ष महोदय, आपका बहुत-बहुत धन्यवाद। नियम-130 के अंतर्गत जो प्रस्ताव आया है ...(व्यवधान)

Speaker : I am not allowing you (addressing towards the Members of the Opposition). ...(Interruption)

उप मुख्य मंत्री : अध्यक्ष महोदय, जब तक इनकी बाजुओं पर काले बिल्ले लगे हैं ये बोल ही नहीं सकते। ...(व्यवधान)

अध्यक्ष : माननीय सदस्य, श्री मलेन्द्र राजन जी, आप बोलिए।...(व्यवधान)

श्री मलेन्द्र राजन : अध्यक्ष महोदय, नियम-130 के अंतर्गत प्रस्ताव प्रस्तुत हुआ है कि "प्रदेश में भारी बरसात/आपदा के कारण जनमानस...।

अध्यक्ष : माननीय सदस्य, एक मिनट रूकिए। उस दिन इस चर्चा में माननीय सदस्य, श्री हरदीप सिंह बावा जी अपना भाषण दे रहे थे और उनकी बात पूरी नहीं हो पाई थी। मैंने इनसे कहा था कि इस विषय पर जब चर्चा पुनः आरम्भ होगी तब आप उसमें भाग ले सकते हैं। इसलिए माननीय सदस्य, श्री हरदीप सिंह बावा जी, इस चर्चा में भाग लेंगे। ...(व्यवधान) Now Hon'ble Member Shri Hardeep Singh Bawa will take part in the discussions. ...(Interruption)

30-08-2024/1415/वाई.के.-एन.जी/3

श्री हरदीप सिंह बावा : अध्यक्ष महोदय, आपका बहुत-बहुत धन्यवाद। नियम-130 के अंतर्गत चर्चा के लिए प्रस्ताव रखा गया था कि "प्रदेश में भारी बरसात/आपदा के कारण जनमानस, सड़कों, पुलों, घरों, फसलों, सरकारी भवनों, निजी भूमि, पेयजल व सिंचाई योजनाओं को हुए नुकसान बारे यह सदन विचार करे"। मैं इसकी चर्चा में शामिल हुआ था और आज आपने मुझे दोबारा से चर्चा में भाग लेने का मौका दिया क्योंकि उस समय मेरा वक्तव्य पूरा नहीं हुआ था। मैं कहना चाहता हूं और मेरी आप लोगों (विपक्ष के माननीय सदस्यों की ओर ईशारा करते हुए) से विनती है ...(व्यवधान)

श्रीमती के.एस. द्वारा जारी....

30.08.2024/1420/केएस/वाईके/1

Speaker : Hon'ble Member, please address to the Chair. Don't take a note of this. ...(Interruption) I have not allowed this (addressing towards the Members of the Opposition). This is not going to form the part of the record. ...(Interruption)

श्री हरदीप सिंह बावा : अध्यक्ष महोदय, मैं यह कहना चाहता हूं कि वर्ष 2023 में जो हिमाचल प्रदेश में नुकसान हुआ, उसके तहत अगर जिला सोलन की बात करें, ...(व्यवधान)

Speaker : Nothing will go on record except the statement of the Hon'ble Member Shri Hardeep Singh Bawa. ...(Interruption)

श्री हरदीप सिंह बावा : जिला सोलन में मेरे विधान सभा क्षेत्र नालागढ़ में भी बहुत ज्यादा नुकसान हुआ। पहाड़ी क्षेत्र की मेरी पंचायतें जो सबसे ज्यादा प्रभावित हुईं उनमें ग्राम पंचायत रामशहर का गांव मझेड़, ग्राम पंचायत घड़ैच का गांव बणी, ग्राम पंचायत बाहा का गांव घनेरी, ग्राम पंचायत कुंडलू का गांव पुनैली, ग्राम पंचायत बवासनी का गांव जमराड़ी और ग्राम पंचायत पोले-दा-खाला का गांव जागली में जो नुकसान हुआ, उसमें हमारे काफी मकान गरीब लोगों के मकान ध्वस्त हो गए और लोगों को मज़बूरन टैंटों में रहकर गुज़ारा करना पड़ा।

अध्यक्ष महोदय, वह बड़ी मुश्किल का दौर था। मैं माननीय मुख्य मंत्री और प्रदेश सरकार का बहुत-बहुत धन्यवाद करता हूं कि आपने उस मुश्किल दौर में जब हिमाचल प्रदेश में वह कहर बरपा, उस समय आपके और सरकार के द्वारा जो 4 हजार 500 करोड़ रुपये का पैकेज दिया गया उसके तहत मेरे निर्वाचन क्षेत्र नालागढ़ के भी 36 परिवार के लोगों को लाभ हुआ। मैं यह भी कहना चाहता हूं कि न सिर्फ सरकार ने बल्कि हमारे बद्दी-बरोटीवाला-नालागढ़ की इंडस्ट्रियल एसोसिएशन के साथियों ने सी.एस.आर. के तहत गरीब लोगों को राहत देने का काम किया। सरकार की तरफ से तो कदम उठाए ही गए

परंतु जो जिम्मेवारी उन उद्योगपतियों की बनती थी, जो जिम्मेवारी बी.बी.एन. क्षेत्र के लोगों की बनती थी,

(भारतीय जनता पार्टी के माननीय सदस्य सदन से वॉकआउट कर गए)

30.08.2024/1420/केएस/वाईके/2

लोगों ने उस जिम्मेवारी का निर्वहन किया। इसके लिए जहां मैं सरकार का धन्यवाद करना चाहता हूं, वहीं अपने निर्वाचन क्षेत्र की जनता और वहां के उद्योगपतियों का भी धन्यवाद करना चाहता हूं जिन्होंने सी.एस.आर. के तहत राशन और मैडिकल किट्स, तिरपाल आदि दे कर हमारे क्षेत्र की जनता की सहायता की।

अध्यक्ष महोदय, भगवान न करे कि दोबारा ऐसा दौर हमें देखने को मिले। मैं इसलिए भी सरकार का धन्यवाद करता हूं क्योंकि जो माननीय मुख्य मंत्री जी ने ऐतिहासिक फैसला लिया और यह कहा कि जिन लोगों के घर ध्वस्त हो गए हैं, उन्हें पुनर्स्थापित करने के लिए 3-3 बिस्वा जमीन दी जाएगी। उसके लिए मैं अपनी ओर से तथा अपने क्षेत्र की जनता की ओर से मुख्य मंत्री जी का धन्यवाद करता हूं।

अध्यक्ष महोदय, मैं यह भी कहना चाहता हूं कि 36 परिवारों को तो मुआवज़ा मिला लेकिन अभी भी काफी परिवार ऐसे शेष बचे हैं जिनको नहीं मिल पाया। न सिर्फ वो परिवार, 36 परिवारों में भी बहुत से लोग ऐसे हैं, जिनको जमीन नहीं मिल पाई। जमीन न मिलने के कारण जो तीन-साढ़े तीन लाख रुपया सरकार द्वारा दिया गया, वह पैसा अभी भी उनके बैंक खातों में पड़ा है। मेरी माननीय मुख्य मंत्री जी से गुज़ारिश है कि वे डी.सी. साहब को आदेश दें और उन्हें कहें कि उनकी जो जमीन ट्रांसफर की फाइल है, उनको पुनर्स्थापित करने के लिए जल्दी से जल्दी जमीन उनके नाम अलॉट की जाए।

इसके अलावा हमारे यहां नालागढ़ से स्वारघाट एक नेशनल हाईवे है जो सबसे ज्यादा अफैक्ट हुआ है। इसके अलावा जो हमारे स्टेट रोड्ज़ हैं, स्वारघाट से रामशहर, नालागढ़ से रामशहर और अन्य भी सड़कें जो उस समय खराब हुईं, रिकॉर्ड टाइम में

उनको रिस्टोर किया गया। मैं सरकार और हरेक महकमें का खासतौर पर आई.पी.एच. और पी.डब्ल्यू.डी. विभाग का धन्यवाद करना चाहूंगा कि जितनी भी हमारी पीने के पानी की स्कीमें थीं,

श्रीमती अ0व0 द्वारा जारी---

30.08.2024/1425/av/ag/1

श्री हरदीप सिंह बावा--------जारी

उनको विभाग द्वारा समयबद्ध तरीके से रिस्टोर करने का काम किया गया। मेरा माननीय मुख्य मंत्री जी से अनुरोध है कि उस नेशनल हाईवे की सड़क का काम अभी शेष रहता है। अतः उसका दोबारा से निर्माण करके उसे रिस्टोर किया जाए।

इसके अतिरिक्त मैं यह भी कहना चाहता हूं कि हमारी बणी और गुज्ज़रहट्टी दो राजकीय प्राथमिक पाठशालाओं का बरसात के दौरान नुकसान हुआ है। राजकीय प्राथमिक पाठशाला बणी ग्राम पंचायत गणेश में पड़ती है और उसके लिए अभी शिक्षा विभाग द्वारा 25 लाख रुपये की राशि दी गई है। उसके लिए मैं माननीय मुख्य मंत्री जी और माननीय शिक्षा मंत्री जी का धन्यवाद करना चाहता हूं। लेकिन मैं यह भी चाहता हूं कि उस पाठशाला हेतु भूमि स्थानांतरण का कार्य जल्दी-से-जल्दी हो जाए। वहां फॉरैस्ट लैंड की कोई दिक्कत आ रही है और इस संदर्भ में मैंने भी संबंधित विभाग से बात की है। मेरा अनुरोध है कि वहां वह पैसा जल्दी-से-जल्दी लगे ताकि हमारे बच्चों को रिलीफ मिले। यह तो वैसे प्राकृतिक त्रासदी थी परंतु मैं यह भी कहना चाहता हूं कि इसके अलावा हम सब लोग भी त्रासदी के लिए जिम्मेवार हैं। मेरा यह मानना है कि त्रासदी का ज्यादा इफैक्ट इलीगल माइनिंग के कारण हुआ। हमारी बहुत सारी लिफ्ट इरीगेशन स्कीम्ज को इलीगल माइनिंग के कारण काफी ज्यादा नुकसान हुआ। हमारे माननीय मुख्य मंत्री जी और माननीय मंत्री जी ने इलीगल माइनिंग पर नकेल कसने का काम किया है। मैं चाहता हूं कि मेरे विधान सभा क्षेत्र में सरकार भविष्य में भी इसी प्रकार से इलीगल माइनिंग पर नकेल कसने के लिए प्रतिबद्ध रहे।

मेरे विधान सभा क्षेत्र में पुलों को भी बहुत ज्यादा नुकसान पहुंचा। हमारे नालागढ़ से जो दबोटा का पुल है, उसको बरसात में नुकसान पहुंचा था। हालांकि वह पुल पंजाब सरकार द्वारा वर्ष 2001 में बनाया गया था और उसका 90 प्रतिशत हिस्सा पंजाब में है तथा उस पुल का निर्माण भी पंजाब सरकार के द्वारा दोबारा किया जाना था। अभी उसका रास्ता बंद है। पंजाब सरकार के द्वारा उस पुल के निर्माण हेतु पहले 75 लाख रुपये की डिमाण्ड रखी गई थी, जिस पर हमारे प्रदेश और लोक निर्माण विभाग ने सहमति जताई थी। परंतु उसके बाद अमाउंट एनहांस करके उसी पुल हेतु 1.45 करोड़ रुपये की डिमाण्ड रखी गई। मैं यहां पर

30.08.2024/1425/av/ag/2

माननीय मुख्य मंत्री जी और माननीय लोक निर्माण मंत्री जी का धन्यवाद करना चाहता हूं जिन्होंने वह राशि पंजाब सरकार के लोक निर्माण विभाग को दी। मैं यह भी कहना चाहता हूं कि जब हमारे लोक निर्माण विभाग द्वारा उस पैसे की अदायगी कर दी गई है तो उसका निर्माण भी जल्दी-से-जल्दी करवाया जाना चाहिए।

मैं यहां पर यह भी कहना चाहता हूं कि मेरे विधान सभा क्षेत्र में एक माइनिंग लीज़ दी गई है। हमारी कुंडलू ग्राम पंचायत में ऊपर एक पपलेड़ नामक गांव है और उसमें हरिजन समाज के लोग रहते हैं। उस गांव के नीचे की खड्ड में माइनिंग लीज़ पूर्व विधायक साहब के भाई को दी गई है। अगर वे वहां पर माइनिंग करते हैं तो मैं आपको बताना चाहता हूं कि आने वाले समय में भगवान न करे यदि किसी प्रकार की त्रासदी आई तो वह पपलेड़ गांव रोपड़ में मिलेगा। इसलिए मेरा अनुरोध है कि उस माइनिंग लीज़ को रद्द किया जाए। अगर वहां पर किसी भी प्रकार का खनन हुआ तो वह गांव नहीं बचेगा। मेरे साथ लगते दून विधान सभा क्षेत्र में वासणी पंचायत है जिसके तीन वार्ड दून विधान सभा क्षेत्र में हैं और चार वार्ड नालागढ़ विधान सभा क्षेत्र में हैं। वहां जो तीन वार्ड दून विधान सभा क्षेत्र में हैं उसके अंतर्गत आने वाले शिल्ल और सुनैणी गांव पूरी तरह से तबाह हो गए थे।

टी सी द्वारा जारी

30.08.2024/1430/टी0सी0वी0/ए0जी0-1

श्री हरदीप सिंह बावा ...जारी

उनको दोबारा स्थापित करने हेतु सरकार और माननीय मुख्य संसदीय सचिव कोशिश कर रहे हैं। मैं यह कहना चाहता हूं कि आगे फिर से ऐसा नुकसान न हो उसकी रोकथाम के लिए सरकार कोई नीति बनाएं। उस लीज को दोबरा रिव्यू करें और अगर उसके द्वारा भविष्य में नुकसान होता है तो उसको रद्द किया जाए। मैं ज्यादा समय न लेता हुआ यही कहना चाहता हूं कि जो मकान पहले पार्शियली डेमेज हुए थे वे आज फूली डेमेज हो चुके हैं और लोग वहां मजबूरी में रह रहे हैं। जब भी बारिश होती है तो उनको यही डर लगा रहता है कि उनका मकान फिर से न ढह जाए। मेरी आपसे गुजारिश है, मैंने पिछली बार भी कहा था कि हमारे नालागढ़ और दून क्षेत्र की जितनी खड्डें हैं चाहे लूण खड्ड, चिकनी खड्ड या सरसा खड्ड है उनका चेनलाइजेशन करना बहुत जरूरी है। इसके साथ ही मैं यह भी कहना चाहूंगा कि अवैध माइनिंग पर रोकथाम लगाने से लोगों की एग्रीकल्चर लैंड भी नुकसान होने से बचेगी।
अध्यक्ष महोदय, आपने मुझे समय दिया, आपका बहुत-बहुत धन्यवाद।

30.08.2024/1430/टी0सी0वी0/ए0जी0-2

अध्यक्ष : मैंने चर्चा हेतु माननीय सदस्य, श्री मलेन्द्र राजन जी का नाम ले लिया था क्योंकि आप पिछली लिस्ट में ऊपर थे लेकिन रिवाइज्ड लिस्ट में माननीय सदस्य श्री विवेक शर्मा जी का नाम ऊपर है। चूकिं मैंने श्री मलेन्द्र राजन जी का नाम पुकार दिया है इसलिए आप चर्चा में भाग ले सकते हैं।

श्री मलेन्द्र राजन (इन्दौरा) : अध्यक्ष महोदय, हिमाचल प्रदेश में भारी बरसात और उससे उत्पन्न आपदा ने हमारे प्रदेश में व्यापक पैमाने पर विनाशकारी प्रभाव डाला है। इस आपदा के कारण जन-जीवन पर गम्भीर असर पड़ा है और राज्य के विभिन्न क्षेत्रों में बुनियादी ढांचे और संसाधनों को भी काफी नुकसान हुआ है। इसी पर नियम-130 के अंतर्गत चर्चा जारी है और मैं भी इसमें अपने आप को शामिल करता हूं।

अध्यक्ष महोदय, पिछले साल और इस वर्ष यह जो प्राकृतिक आपदा आई इसके कारण हिमाचल प्रदेश में बहुत ज्यादा नुकसान हुआ। अगर मैं जिला कांगड़ा में अपने विधान सभा क्षेत्र की बात करूं तो वहां पर भी व्यापक पैमाने पर नुकसान हुआ है। बरसात के दिनों में ब्यास नदी से जो पानी छोड़ा गया उसके कारण इन्दौरा और फतेहपुर विधान सभा के क्षेत्रों की निचली पंचायतों में भारी नुकसान हुआ। मैं मुख्य मंत्री, श्री सुखविन्दर सिंह सुक्खू जी का धन्यवाद करता हूं कि इन्होंने तुरन्त एक्शन लेते हुए वहां पर जो लोग फंसे हुए थे उनको वहां से एयर लिफ्ट करवाया और वहां पर एन0डी0आर0एफ0 और आर्मी की टीमें तैनात की गईं। इसके अलावा और भी स्थानीय प्रशासन और पुलिस के अधिकारियों व कर्मचारियों ने अपनी जिम्मेवारी को समझा और जो लोग फंसे हुए थे, कई लोग छतों के ऊपर चढ़े हुए थे और अपनी जान बचाने के लिए चीख-पुकार कर रहे थे, उन सब लोगों को वहां से सुरक्षित निकाला गया और उसके बाद उनको राहत कैंपों में रखा गया। मुख्य मंत्री जी ने स्वयं वहां पर जाकर स्थिति का जायजा लिया और उनसे मिले। मैं माननीय उप मुख्य मंत्री , लोक निर्माण मंत्री और कृषि मंत्री जी का भी धन्यवाद करता हूं कि ये भी उस दौरान वहां पर गए और इन्होंने भी लोगों के दुःख दर्द को देखा। इसके साथ ही मेरे विधान सभा क्षेत्र के मंड में सड़कों, पुलों, पशुधन, मकानों और डंगों को भी बहुत ज्यादा नुकसान हुआ। बिनुआ से लेकर बकराडूवां, बसंतपुर, ठाकुरद्धारा, पराल, बरोटा, मलकाणा, मंडमयाणी, मंडसनौर, मंडघंडराहं इन तमाम पंचायतों में भी बाढ़ के पानी ने लोगों का बहुत नुकसान किया।

एन0एस0 द्वारा जारी ...

30-08-2024/1435/एन0एस0-ए0एस0/1

श्री मलेन्द्र राजन ------ जारी

प्राकृतिक आपदा पिछले वर्ष भी आई थी और इस वर्ष भी आई। इस पर गहन विचार करना आवश्यक है। पोंग बांध से बार-बार पानी छोड़ा जाता है। विभाग के द्वारा ब्यास नदी के चेनलाइजेशन की एक स्कीम तैयार की जा रही है। अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से सरकार से गुजारिश करूंगा कि इसको शीघ्रातिशीघ्र अमलीजामा पहनाया जाए। मेरे क्षेत्र

के लोगों को अगर बाढ़ से बचाना है तो ब्यास नदी का चेनलाइजेशन करना बहुत जरूरी है।

मेरे से पूर्व माननीय सदस्य हरदीप सिंह बावा जी ने अवैध खनन का जिक्र किया है। मेरे क्षेत्र में भी अवैध खनन का बहुत ज्यादा कारोबार होता है। मैं मुख्य मंत्री जी का धन्यवादी हूं कि जब से इन्होंने प्रदेश की बागडोर संभाली है तब से अवैध खनन पर लगाम लगाने और जड़ से उखाड़ने के लिए व्यापक कदम पूरे प्रदेश के लिए उठाया है और विशेषकर इन्दौरा विधान सभा क्षेत्र के लिए उठाया गया है। बहुत से कार्य अवैध खनन को बंद करने के लिए किए जा रहे हैं लेकिन इस पर अंकुश लगाने के लिए अभी भी बहुत कुछ किया जाना बाकी है। मैं अपने विधान सभा क्षेत्र की बात करूं तो वहां पर बाढ़ का पानी नुकसान के लिए जिम्मेवार रहा है। अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से सरकार से कहना चाहूंगा कि अवैध खनन उन क्षेत्रों में हो रहा है जो क्षेत्र ब्यास नदी के किनारे पर स्थित हैं। इसको तुरंत प्रभाव से रोकना अनिवार्य है। मैं मुख्य मंत्री जी का धन्यवादी हूं और यहां पर उद्योग मंत्री जी बैठे हैं और इन्होंने वहां पर एक ऐतिहासिक फैसला लिया। इन्होंने ब्यास की जितनी भी सहायक नदियां थीं उनके अवैध खनन पर पूर्णतः प्रतिबंध लगाया जिससे लोगों में इसका पॉजिटिव संदेश गया कि सरकार हमारी बात व समस्या को भली भांति समझती है। पूर्व सरकार ने अपने समय में अवैध खनन को खुली छूट दे रखी थी। हम लोग पहली बार चुनकर विधान सभा में आए हैं। मैं इस माननीय सदन में यह कहना चाहूंगा कि विपक्ष के नेता और माननीय सदस्यों का व्यवहार अशोभनीय है। हम लोग नए चुनकर आए हैं और हम सीनियर मेंबर्ज से बहुत कुछ सीखने की कोशिश करते हैं। विपक्ष के सदस्य महत्वपूर्ण मुद्दों पर बचकानी हरकतें करते हैं जबकि प्रदेश की जनता भी इनको देख रही है। ये खुद इतने महत्वपूर्ण प्रस्ताव लेकर आते हैं और अध्यक्ष महोदय इनको चर्चा के लिए

30-08-2024/1435/एन0एस0-ए0एस0/2

बुलाते हैं लेकिन ये बार-बार बहिर्गमन कर जाते हैं। हमारे इतने महत्वपूर्ण प्रश्न लगे होते हैं और तमाम विधायकों की कोशिश होती है कि हम अपने क्षेत्र के मसलों को प्रश्नों के माध्यम से उठाएं। हर बार वाकआउट देखने को मिलता है और यह प्रचलन रोजमर्रा बढ़ता जा

रहा है। विपक्ष बार-बार प्रश्न काल में इंटरप्ट करता है और एक घंटे का प्रश्नकाल ऐसे ही खत्म हो जाता है। अध्यक्ष महोदय, मैं प्रथम बार का विधायक होने के नाते आपका धन्यवाद करता हूं कि आपने सदन की उच्च परंपराओं को लागू किया है और नियमों के तहत तमाम नए विधायकों को बोलने का मौका देते हैं। अगर हम इनका व्यवहार देखते हैं तो लगता है कि ये चाहते हैं कि हम ही हमेशा सुर्खियों में छाए रहें। विशेषकर विपक्ष के नेता बहुत ही वरिष्ठ नेता हैं और पूर्व में मुख्य मंत्री भी रहे हैं लेकिन मसलों को लेकर इनका व्यवहार असहनीय है।

अध्यक्ष महोदय, यहां पर आपदा की बात भी आई है। मेरे क्षेत्र में शाह नहर का बहुत-सा काम हो चुका है और कुछ कार्य बाकी है और इस आपदा के दौरान शाह नहर का बहुत नुकसान हुआ है। प्रदेश के माननीय उप-मुख्य मंत्री जिनके पास जल शक्ति विभाग भी है, वे उस दौरान वहां पर गए थे।

आर0के0एस0 द्वारा ------ जारी

30.08.2024/1440/RKS/एएस-1

श्री मलेन्द्र राजन... जारी

विभाग ने उस शाह नहर की दो डी.पी.आर्ज. तैयार कर केंद्र सरकार को भेजी है लेकिन केंद्र सरकार से इन डी.पी.आर्ज. की अप्रूवल नहीं मिली है। हमारे किसानों को धान की खेती करने के लिए शाह नहर से पानी नहीं मिल रहा है जिसके कारण हमारे किसानों की धान की खेती काफी प्रभावित हो रही है। मेरा सरकार से आग्रह है कि जो डी.पी.आर्ज. केंद्र सरकार को भेजी गई है उन्हें केंद्र से जल्द-से-जल्द अनुमोदित करवाया जाए। हमारे मुख्य मंत्री जी ने आपदा के समय विपरीत परिस्थितियों में भी प्रदेश के लोगों को राहत पहुंचाने का काम किया है। मुख्य मंत्री ने 4500 करोड़ रुपये के पैकज की घोषणा की और इस पैकेज के माध्यम से जिन प्रदेशवासियों के डंगे या मकान गिरे थे उनको राहत पहुंचाने का काम किया गया। आपदा के दौरान जब किसी का डंगा गिर जाता है तो हमारी पहली

प्राथमिकता उस डंगे को लगवाने की होनी चाहिए। लेकिन विपक्ष के साथी कहते हैं कि नेशनल हाइवे के लिए केंद्र सरकार ने 300 करोड़ रुपये जारी कर दिए। लोगों के आने-जाने के लिए जो पुलियां स्थापित की गई थीं वे आपदा के समय टूट गई। लेकिन विपक्ष वाले कहते हैं कि हमने जल जीवन मिशन के अंतर्गत इतने पैसे जारी कर दिये। लेकिन मैं आपसे पूछना चाहूंगा कि लोगों की जरूरत के अनुसार जो प्रदेश सरकार ने केंद्र सरकार से मांग की थी उसमें आपने क्या दिया? आप इसके लिए श्वेत-पत्र जारी कर सही जानकारी इस सदन को दें। मेरे विधान सभा क्षेत्र के माजरा में एक हैलिपैड है। इस एयरपोर्ट का मेन रास्ता हर बरसात में बंद हो जाता है। वहां पर सेना को अस्पताल भी स्थापित है। वहां पर साथ ही पठानकोट का एयरपोर्ट भी है। इस रास्ते के बंद होने से हमारी लगभग 4 पंचायतों की 5 हजार के करीब जनसंख्या प्रभावित हो रही है। उन्हें अपने रोजमर्रा कामों के लिए भी 50 किलोमीटर ऊपर से घूम कर आना पड़ रहा है। मेरा सरकार से आग्रह है कि उस रास्ते का परमानेंट सॉल्यूशन निकाला जाए। वहां पर चक्की पुल के साथ रेलवे ब्रिज भी है। यहां से जो रास्ता एयरपोर्ट को जाता है वह हर बरसात में बंद हो जाता है। इसलिए उस रास्ते का भी स्थायी हल निकाला जाए।

अध्यक्ष महोदय, आपने मुझे इस महत्वपूर्ण विषय पर बोलने का मौका दिया, आपका धन्यवाद। जय हिन्द, जय हिमाचल।

30.08.2024/1440/RKS/एएस-2

अध्यक्ष : अब माननीय सदस्य श्री विवेक शर्मा (विक्कू) इस चर्चा में भाग लेंगे।

श्री विवेक शर्मा (विक्कू) : अध्यक्ष महोदय, नियम-130 के अंतर्गत च्प्रदेश में भारी बरसात/आपदा के कारण जनमानस, सड़कों, पुलों, घरों, फसलों, सरकारी भवनों, निजी भूमि, पेयजल व सिंचाई योजनाओं को हुए नुकसान बारे यह सदन विचार करेछ विषय पर आपने मुझे बोलने का मौका दिया, आपका धन्यवाद। मैं अपने विधान सभा निर्वाचन क्षेत्र की जनता का भी बहुत धन्यवादी हूं जिन्होंने मुझे अपने क्षेत्र की आवाज उठाने के लिए यहां भेजा है। 34 वर्षों बाद मेरे परिवार को दोबारा इस सदन में आने का मौका मिला है। इससे पूर्व मेरे पिता स्वर्गीय श्री राम नाथ शर्मा जी यहां डिप्टी स्पीकर रह चुके हैं। अध्यक्ष जी,

हिमाचल प्रदेश के इतिहास को लिखने वाली इस पवित्र विधान सभा में आज मुझे हिमाचल प्रदेश में आई त्रासदी के बारे में बोलने का मौका मिला है। इस त्रासदी को कभी भूलाया नहीं जाया सकता। गत वर्ष जो भारी बरसात से हिमालच प्रदेश में नुकसान हुआ था वे जख्म अभी भरे ही नहीं थे कि दोबारा से इस बरसात ने हमें और जख्म देना शुरू कर दिए। इस वर्ष भी हिमाचल प्रदेश की देव भूमि में हजारों-करोड़ों रुपये का नुकसान हुआ और 5 सौ के करीब बहुमूल्य जानें गईं हैं।

श्री बी.एस.द्वारा...जारी

30.08.2024/1445/बी.एस./एच के-1

श्री विवेक शर्मा जारी...

और यहां पर सोलन का पूरा-का- पूरा गांव चला गया और शिवरात्रि के पर्व के समय शिव मंदिर में बहुमूल्य जाने गईं। मैं समझता हूं कि इस त्रासदी में जो नुकसान हुआ और सबसे ज्यादा नुकसान मण्डी जिला में हुआ। उस वक्त प्रदेश की सरकार प्रदेश के लोगों के साथ कंधे-के-साथ कंधा मिला करके खड़ी रही। सरकार ने लोगों के लिए वहां पर पूरी मदद की। प्रदेश के मुख्य मंत्री आदरणीय सुखविन्दर सिंह सुक्खू जी और पूरी कैबिनेट के हमारे मंत्रिमण्ड के सभी लोग वहां पर गए और लोगों के साथ खड़े रहे। ऐसे मौके में विपक्ष के नेता जो आज यह प्रस्ताव ले करके आए हैं, ऐसे वक्त में भी अपनी राजनीति करते रहे। जब हिमाचल के लोगों को उनकी मदद की जरूरत थी उस वक्त भी वे राजनीति करते रहे। मैं देख रहा था कि मण्डी के एक विधायक एक छोटे से तिरपाल के लिए अधिकारियों के साथ लड़ रहे थे। यह बहुत ही घिनौनी हरकतें रही हैं।

अध्यक्ष : उनके ऊपर एफ.आई.आर. दर्ज की गई है।

श्री विवेक शर्मा : एक अधिकारी के साथ उन्होंने किस तरह से बदतमीजी की और मैं एक विधायक होने के नाते यह देख सकता हूं कि प्रदेश सरकार ने लोगों को जो सुविधाएं दी हैं वह सराहनीय है। हमारे विपक्ष के माननीय सदस्य भी लोगों को उन सुविधाओं को दे सकते थे। मगर उस वक्त भी इन लोगों ने कोई मदद नहीं की मात्र वोट की राजनीति वहां पर

करते रहे और बार-बार सरकार को कोसने की बात की गई। बार-बार इस बात को कहा गया कि सरकार द्वारा लोगों की मदद नहीं की जा ही है। मैं सझता हूं कि ऐसे समय में जब प्रदेश में भारी बारिश से लोगों का नुकसान हो रहा था ऐसे वक्त में विपक्ष को जो भूमिका निभानी चाहिए थी वह नहीं निभाई गई। विपक्ष के नेता जो पूर्व में मुख्य मंत्री भी रहे यदि वे सरकार के साथ कंधे-से-कंधा मिलाकर केन्द्र सरकार के समक्ष यह बात रखते और प्रदेश की बात रखते तो अच्छा होता। प्रदेश के लोगों ने उन्हें विपक्ष का नेता बनाया परंतु उन्होंने कभी यह बात नहीं रखी कि प्रदेश को आर्थिक पैकेज दिया जाए। ऐसे समय में मुख्य मंत्री जी ने अपनी इच्छा शक्ति के साथ 45 करोड़ रुपये का पैकेज हिमाचल प्रदेश के प्रभावित लोगों को दिया यह बहुत ज्यादा सराहनीय है। यहां पर बात की जा रही है कि सात लाख रुपये

30.08.2024/1445/बी.एस./एच के-2

नहीं मिला और तीन लाख रुपये ही लोगों को मिला। मैं कहना चाहता हूं कि इससे पहले तीन लाख रुपये भी नहीं मिलता था। आज से पहले डेढ़ लाख रुपये ही प्रभातिव लोगों को राहत राशि दी जाती थी। मैं यह बताना चाहता हूं कि मेरे चुनाव क्षेत्र में 45 लोगों को आपदा के समय राहत राशि प्रदान की गई है। जिन लोगों ने आपदा के समय अपना नुकसान बताया उन्हें तुरंत पैसा दिया गया। यहां मात्र बातें की जा रही है कि पैसा नहीं मिला यह सिर्फ जनता को भड़काने की बात की जा रही है। मैं यह भी कहना चाहूंगा कि मेरे चुनाव क्षेत्र कुटलैहड़ में बारिश के कारण जो नुकसान हुआ उनमें जो गाावं थे, रायपुर, टिहरा, घंडावल, पनोह, बधौली और जलेहड़ा इन सभी गांवों में खड्ड मसयानी और लमलेहड़ी पंचायत के गांव हैं। लोअर कोटला कला, अजनौली यहां पर लोगों के घरों में पानी चला गया है। अध्यक्ष जी, मैं यह कहना चाहता हूं कि हमारे यहां खड्ड मसयानी जगह है और यह लमलेहड़ी पंचायत का पार्ट है यहां तकरीबन दो किलोमीटर खड्ड है और सरकार पहले भी इसका तटीयकरण का प्रोजैक्ट ले करके आए थे जिसके कारण जिला ऊना में बहुत ज्यादा नुकसान हुआ था। मगर इस बार मैं फिर कहूंगा कि सरकार को कोई ऐसा पैकेज लाना पड़ेगा ताकि जो अन्य खड्डें बची हैं उनका तटीयकरण किया जा सके और जो लोगों के घरों में पानी से नुकसान हो रहा है, हम खुद भी मौके पर गए हैं बहुत सारा नुकसान

लोगों का हुआ है। ऐसे में कोई पैकेज लाया जाए ताकि उन खड्डों का तटीयकरण किया जा सके और जो रिहायशी मकान हैं उनका नुकसान न हो। इस बारे में सरकार को कुछ सोचना पड़ेगा। आज मुख्य मंत्री और पूरे मंत्री जिन्होंने पैसा भी दिया और अपनी सैलरी भी यहां पर कटवाई विपक्ष केवल राजनीति कर रहा है और ऐसा विषय जिस पर इन्हें इकट्ठा हो कर लड़ाई लड़नी चाहिए उसे नहीं लड़ रहे हैं। आज प्रदेश के मुख्य मंत्री ने आपदा के समय 51 लाख रुपये अपनी जेब से दिया।

श्री दिवेश ठाकुर जारी.....

30.08.2024/1450/DT/DC-1

श्री विवेक शर्मा (विक्कू).... जारी

जो एक सराहनीय कार्य है। प्रदेश के लोगों ने मिलकर उस आपदा के लिए लगभग 300 करोड़ रुपये का योगदान दिया जिसमें छोटे-छोटे बच्चे भी थे। लेकिन विपक्ष उस आपदा पर सिर्फ राजनीति कर रहा है। प्रदेश की जनता को इस बात को समझना चाहिए। मैं ये बात कहना चाहूंगा कि जो विधायक प्राथमिकता में ढंगे लग रहे थे, उन ढंगों का काम अभी बंद कर दिया गया। मैं सरकार से अनुरोध करूंगा कि उनका कार्य भी दोबारा शुरू करवाया जाए ताकि ढंगे न लगने के कारण जिन लोगों का नुकसान हो रहा है उन लोगों को पैसा दिया जा सके ताकि वहां अधिक नुकसान न हो।

अध्यक्ष महोदय आपने मुझे बोलने का समय दिया, आपका बहुत-बहुत धन्यवाद।

जय हिंद, जय हिमाचल, जय कुटलैहड़।

30.08.2024/1450/DT/DC-2

अध्यक्षः अब माननीय सदस्य कैप्टन रणजीत सिंह राणा इस चर्चा में भाग लेंगे।

कैप्टन रणजीत सिंह राणाः अध्यक्ष महोदय मैं आपका बहुत-बहुत धन्यवाद करना चाहता हूं कि आपने मुझे बोलने का मौका दिया। ये चर्चा नियम-130 के अंतर्गत प्रदेश में भारी बरसात, आपदा के कारण जनमानस, सड़कों, पुलों , घरों, फसलों, सरकारी भवनों निजी भूमि व पेयजल व सिंचाई योजना को हुए नुकसान के बारे में चल रही है, इसके बारे में मैं

सुजानपुर विधान सभा क्षेत्र के बारे में भी कुछ बातें आपके माध्यम से माननीय मुख्य मंत्री के समक्ष रखना चाहता हूं।

अध्यक्ष महोदय सुजानपुर में ब्यास नहीं के किराने मेरे निर्वाचन क्षेत्र की आठ पंचायतें और सुजानपुर शहर बसा हुआ है। पिछली बार भारी बरसात के कारण सुजानपुर शहर के तीन वार्डों में बहुत ज्यादा नुकसान हुआ था और लोगों के घरों में पानी व कीचड़ घुस गया और कम-से-कम 8 से 10 घर पिछले साल आई बरसात के कारण गिर गये थे लेकिन वहां जान-माल का कोई नुकसान नहीं हुआ। सुजानपुर से लेकर संधोल तक सारी सड़के बंद हो गई थीं लेकिन मैं माननीय मुख्य मंत्री जी का धन्यवाद करना चाहता हूं जिन्होंने 72 घंटों के अंदर ही मेरे निर्वाचन क्षेत्र की आठ-दस सड़कें खुलवा दीं जिससे आने-जाने में लोगों को किसी भी प्रकार की परेशानी नहीं हुई। लकिन मेरे निर्वाचन क्षेत्र में ही जोल पंचायत से लेकर खनोली पंचायत के सचुई तक जो नुकसान हुआ था और ये नुकसान इसलिए हुआ क्योंकि ये क्षेत्र ब्यास नदी के किनारे बसे हैं। इन क्षेत्रों को पिछले वर्ष हुई भारी बरसात के कारण भारी नुकसान हुआ था। इसलिए मैं एक-दो सुझाव देना चाहता हूं । पिछली बार जेा आपदा आई वह बहुत बड़ी आपदा थी लेकिन इस बार भी आपदा कम आपदा नहीं आई। लेकिन इस आपदा में मेरे निर्वाचन क्षेत्र की एक-दो पंचायतो में ही नदी-नालों का पानी भरा। इन क्षेत्रों में दोबारा ऐसा कहर न आये उसकी रोकथाम के लिए भी मैं आपसे निवेदन करना चाहता हूं कि इन नदी-नालों का चैनलाइजेशन किया जाये। मेरा एक और निवेदन आपसे है कि ब्यास नदी के किनारे जो खनन हो रहा है इसको बंद किया जाना चाहिए। ये मैं इसलिए कहना चाहता हूं क्योंकि जो मेरा विधान सभा क्षेत्र सुजानपुर से पानी की तकरीबन 20-22 स्कीम्ज चल रही हैं जिससे धर्मपुर,हमीरपुर, एन0आई0टी0,भोरंज व सुजानपुर के लिए पानी जाता है। बरसात के कारण हर बार ये पानी की स्कीम्ज प्रभावित होती हैं। मेरा एक आग्रह और है कि बिजली विभाग के लिए जो मेंटेनेंस गैंग होती है वह

30.08.2024/1450/DT/DC-3

कम से कम 6 लोगों की आउटसोर्स के अंतर्गत मेरे निर्वाचन क्षेत्र में दी जाये। क्योंकि निचले स्तर पर कोई भी काम करने वाला कर्मचारी नहीं है। वहां पर प्रत्येक सब-डिवीजन में एक या दो लोग कार्यरत है। यही लोग बिजली का फ्यूज डालने जाते हैं या कभी मोटर खराब

हो जाये तो उसे ठीक करने के लिए भी यही लोग जाते जाते हैं। इसलिए मैं मेंटेनेंस गैंग के लिए निवेदन कर रहा हूं। क्योंकि सुबह से लेकर शाम तक पानी के संबंध में ही फोन आते रहते हैं कि पानी नहीं आ रहा है। इसलिए इस चीज को ध्यान मे रखते हुए मेरे आग्रह को स्वीकार किया जाए। इसके अतिरिक्त अणु से लेकर पटनोण तक मेरी तकरीबन 9 पंचायतें हैं

श्री एन0जी0द्वारा जारी...

30-08-2024/1455/एच.के.-एन.जी/1

कैप्टन रणजीत सिंह राणा.....जारी

जिसमें एन.एच.-70 बन रहा है। इसका कार्य बहुत स्लो चला हुआ है। इसके निर्माण करने वाले इसकी खुदाई करके हमारी पानी की पाइप लाइनों को हर रोज़ तोड़ देते हैं। जब पाइप लाइनें टूट जाती हैं तो उन पंचायतों के सभी लोग प्रभावित होते हैं। इसके अलावा हमीरपुर शहर, एन.आई.टी. और भोरंज क्षेत्र में भी पानी की बहुत समस्या हो जाती है। मेरी प्रार्थना है कि इस एन.एच.-70 के कार्य को जल्दी-से-जल्दी करवाने की कोशिश की जाए। इसके अलावा मेरा निवेदन है कि मेरे क्षेत्र की नीचे वाली बैल्ट में तकरीबन 18 ग्राम पंचायतों में तार लगाने की आवश्यकता है। मेरा निवेदन है कि विधायक क्षेत्र विकास निधि से भी तार लगाने का प्रावधान होना चाहिए ताकि अवारा पशुओं व जंगली जानवरों से किसानों की फसलों को बचाया जा सके। मैं बताना चाहता हूं कि 70-30 के अनुपात में जो तारें लगाई जाती हैं उससे सरकार का खर्चा ज्यादा होता है। मान लीजिए यदि एक गांव के 10 घरों ने अपने-अपने खेतों में तारें लगाई हैं तो उन सभी तारों को खोल कर चारों ओर लगाने से पूरा गांव कवर हो सकता है। मेरा निवेदन है कि विधायक क्षेत्र विकास निधि के अंतर्गत इसके लिए छूट दी जाए ताकि एक विधायक तार लगाने के लिए भी पैसा जारी कर सके।

अध्यक्ष महोदय, मैं खनन के बारे में बताना चाहता हूं। मैं अपने सुजानपुर विधान सभा क्षेत्र की बात करना चाहता हूं कि पूर्व में मैहली पुल के पास से खनन की सामग्री उठाने का

ऑक्शन हुआ था। इस बार तो पिछले वर्ष जितनी बरसात नहीं हुई और यदि हो जाती तो वह पुल अवश्य बह जाता। खनन विभाग ने वहां से सामग्री उठाने की ऑक्शन की थी लेकिन ठेकेदार ने आज तक भी वह खनन सामग्री नहीं उठाई। वह करोड़ों रुपये का पुल है और पिछले वर्ष जितनी बरसात यदि इस वर्ष भी हो जाती तो वह पुल अवश्य बह जाता। जिससे मेरे क्षेत्र की 25-30 ग्राम पंचायतें अन्य पंचायतों से कट जाती। मेरा निवेदन है कि जिस ठेकेदार को ऑक्शन के माध्यम से वह कार्य अलॉट हुआ है तो उस खनन सामग्री को जल्दी-से-जल्दी उठा लिया जाए। मैं माननीय मुख्य मंत्री जी का बहुत-बहुत धन्यवाद

30-08-2024/1455/एच.के.-एन.जी/2

करता हूं क्योंकि पिछली बार जो आपदा आई, मैं उस समय जिला परिषद का सदस्य हुआ करता था तथा मैंने अपने पूरे इलाके का भ्रमण किया और माननीय मुख्य मंत्री जी भी रात को 11-11 बजे तक अति दुर्गम इलाके में गए, लोगों की समस्याएं सुनी और जगह-जगह रुक-रुक कर लोगों से मिले। जहां-जहां भी घर गिरे हुए थे, वहां-वहां तक मुख्य मंत्री जी पहुंचे और इसके लिए मैं मुख्य मंत्री जी व प्रदेश सरकार का बहुत-बहुत धन्यवाद करना चाहता हूं। इसके अलावा अपनी ओर से मैं पूरे माननीय सदन का भी धन्यवाद करना चाहता हूं। मैंने इतना ही कहना था। जय हिन्द, जय हिमाचल।

Speaker : Thank you very much. संसदीय कार्य मंत्री जी, क्या आप कुछ कहना चाहते हैं?

30-08-2024/1455/एच.के.-एन.जी/3

संसदीय कार्य मंत्री (उद्योग मंत्री) : अध्यक्ष महोदय, नियम-130 के अंतर्गत विस्तृत रूप से चर्चा हो रही है और यह विषय श्री जय राम ठाकुर जी द्वारा लाया गया है। वे और विपक्ष के अन्य माननीय सदस्य अभी इस माननीय सदन में उपस्थित नहीं है। इसलिए मैं आपसे निवेदन करना चाहता हूं कि हमारे काफी माननीय सदस्यों ने बोल लिया है और अब माननीय राजस्व मंत्री जी ने इस चर्चा का उत्तर देना है तो सरकार की ओर से निवेदन करता हूं कि इस चर्चा का उत्तर सोमवार को दिया जाए क्योंकि यह विपक्ष के माननीय

सदस्यों का प्रस्ताव है और वे ही इस सदन मे उपस्थित नहीं हैं और हम चाहते हैं कि healthy tradition and healthy democracy को ध्यान में रखते हुए जब माननीय राजस्व मंत्री इस चर्चा का उत्तर दें तो विपक्ष के माननीय सदस्य भी यहां पर उपस्थित होने चाहिएं।

माननीय राजस्व मंत्री जी उनके प्रश्नों व समस्याओं का उत्तर भी देंगे इसलिए । would request you that इसको आज डैफर करके सोमवार के लिए ले जाएं।

अध्यक्ष : सोमवार को केवल माननीय राजस्व मंत्री का उत्तर ही होगा।

संसदीय कार्य मंत्री (उद्योग मंत्री) : अध्यक्ष महोदय, यदि विपक्ष के कुछ माननीय सदस्य बोलने वाले होंगे तो बोल सकते हैं।

अध्यक्ष : नहीं, अब इस चर्चा में किसी को भी बोलने की कोई अनुमति नहीं मिलेगी। आज जिन्होंने बोलना है बोल सकते हैं क्योंकि अभी हमारे पास 2 घण्टे का समय बचा हुआ है।

Parliamentary Affairs Minister : Hon'ble Speaker, Sir, if you think it proper, the Hon'ble Minister will give reply in the presence of BJP.

Speaker : Okay. The Hon'ble Minister will give reply on Monday and thereafter we close this and then take another issue. लिस्ट एग्जॉस्ट हो चुकी है इसलिए अब इस माननीय सदन की बैठक सोमवार, दिनांक 02 सितम्बर, 2024 के 02:00 बजे अपराह्न तक स्थगित की जाती है।

शिमला : 171004 **यश्पाल शर्मा**
दिनांक : 30 अगस्त, 2024 **सचिव।**